हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 43, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 10 अगस्त, 2023 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

प्रधानमंत्री मोदी का विपक्ष पर तंज : देश भ्रष्टाचार, वंशवाद, तुष्टीकरण को 'भारत छोड़ने' को कह रहा

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के खिलाफ सांसद सोशल मीडिया पर भी अभियान चलाएं

नई दिल्ली। भारत छोड़ो आंदोलन के 81 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक महाअभियान शुरू करने जा रही है। 21 दिनों तक चलने वाले इस अभियान की शुरूआत संसद में लगी गांधी जी की प्रतिमा से किया गया। गौरतलब है कि नौ अगस्त, 1942 को अंग्रेजों के खिलाफ महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत की थी। आज इसके 81 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए 'भारत छोड़ो आंदोलन' को याद करते हुए कहा कि भारत अब भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है। पीएम मोदी ने विपक्ष पर परोक्ष रूप से ऐसे समय में निशाना साधा है जब सत्तारूढ़ भाजपा बुधवार को इसी तर्ज पर देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। पार्टी के सांसदों के साथ बैठक करने के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के खिलाफ वे सोशल मीडिया पर भी अभियान चलाएं। भाजपा के इस नए अभियान का समापन 29 या 30 अगस्त कर्तव्य पथ पर किया जाएगा। पार्टी द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार, प्रधानमंत्री 16 अगस्त को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के दौरान मेरी माटी मेरा देश अभियान की भी शुरूआत करेंगे। पीएम ने इसी अभियान का प्रचार सोशल मीडिया पर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, आज भारत एक स्वर में कह रहा हैः भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। वंशवाद भारत छोड़ो। तुष्टिकरण भारत छोड़ो। मोदी ने बार-बार विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है और लोगों से उनसे दूर रहने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा, आज हमारे सामने विकसित भारत के निर्माण का स्वप्न और संकल्प है। इसके सामने कुछ बुराइयां रोड़ा बनी हुई हैं। इसलिए भारत आज एक स्वर में कह रहा है, भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। वंशवाद भारत छोड़ो। तुष्टिकरण भारत छोड़ो। भारत में समाईं ये बुराइयां देश के लिए बहुत बड़ा खतरा है, बहुत बड़ी चुनौती है। मुझे विश्वास है हम सभी अपने प्रयास से इन बुराइयों को खत्म करेंगे, परास्त करेंगे और फिर भारत की विजय होगी, देश की विजय होगी, हर देशवासी की विजय होगी। भाजपा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक ट्वीट कर कांग्रेस पर तंज कसा। इस ट्वीट में एक कार्टून दिखाया गया है जिसमें राहुल गांधी अपनी मां सोनिया गांधी से कह रहे हैं, 'मॉम हमारे पास तो पब्लिक है'। साथ ही कार्टून में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण का बैनर लिए पब्लिक को दिखाया गया है।

विपक्षी गठबंधन पर पीएम का हमला- हाल ही में पीएम मोदी ने 508 रेलवे स्टेशनों के पुनरुद्धार परियोजना का शुभारंभ किया था। इस आयोजन में लोगों को संबोधित करते हुए पीएम ने विपक्ष पर तीखे हमले किए थे। उन्होंने कहा था कि पूरा देश महात्मा गांधी द्वारा किए गए भारत छोड़ो आंदोलन से प्रेरित है और भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण छोड़ने का आह्वान कर रहा है।

यूपी में कब होगी जातीय जनगणना? मायावती ने उठाया सवाल, बोलीं- राष्ट्रीय स्तर पर करवाई जानी चाहिए

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि ओबीसी समाज की आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक स्थिति का सही आकलन कर उसके हिसाब से विकास योजना बनाने के लिए बिहार सरकार द्वारा कराई जा रही जातीय जनगणना को पटना हाईकोर्ट ने पूर्णतया वैध ठहराया है। अब सबकी निगाहें यूपी पर टिकी हैं कि यहां यह प्रक्रिया कब शुरू होगी। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में जातीय जनगणना के बाद यूपी में भी इसे कराने की मांग लगातार जोर पकड़ रही है बावजूद इसके वर्तमान भाजपा सरकार भी इसके लिए तैयार नहीं लगती है। यह बेहद चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि बसपा की मांग केवल यूपी में ही नहीं बल्कि केंद्र को राष्ट्रीय स्तर पर भी जाति जनगणना करनी चाहिए। देश में जातीय जनगणना का मुद्दा मंडल आयोग की सिफारिश को लागू करने की तरह राजनीति का नहीं बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि समाज के गरीब, कमजोर, उपेक्षित व शोषित लोगों को देश के विकास में उचित भागीदार बनकर उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए यह गणना जरूरी है।

राहुल गांधी ने सदन में दिया फ्लाइंग किस, स्मृति ईरानी का आरोप; भाजपा महिला सांसदों ने की स्पीकर से शिकायत

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को लगातार दूसरे दिन अविश्वास प्रस्ताव पर बहस हो रही। संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अविश्वास प्रस्ताव पर अपनी बात रखी। राहुल गांधी ने मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

उनका भाषण भले ही छोटा था, लेकिन उन्होंने कई ऐसी बातें कहीं, जिस पर भाजपा सांसदों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने मणिपुर में भारत माता की हत्या की है। इन्होंने मणिपुर में हिंदुस्तान को मारा है। हिंदुस्तान का मणिपुर में कत्ल किया है, मर्डर किया है।

राहुल गांधी ने सदन में की अभद्रताः स्मृति ईरानी- इसी बीच भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि जब कांग्रेस भाषण खत्म करने के बाद सदन से बाहर जा रहे थे तो उन्होंने अभद्रता का परिचय दिया। स्मृति ईरानी का राहुल गांधी पर आरोप है कि वो जब सदन से बाहर जा रहे थे तो उन्होंने सदन में फ्लाइंग किस की। राहुल गांधी ने संसद में मौजूद महिला सदस्यों का अपमान किया। वहीं, भाजपा सांसद शोभा करंदलाजे ने राहुल गांधी के खिलाफ सदन में अभद्रता करने का आरोप लगाया। उन्होंने सदन से रहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज की। इसके अलावा, बीजेपी की महिला सांसदों ने राहुल गांधी द्वारा सदन में अभद्र आचरण करने का आरोप लगाते हुए संसद के अध्यक्ष ओम बिरला को चिट्ठी लिखी है।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने कहा, "सदन से सभी महिला सदस्यों को फ्लाइंग किस देकर राहुल गांधी बाहर चले गए। यह संसद के एक सदस्य का दुर्व्यवहार है। यह एक सदस्य का अनुचित और अशोभनीय व्यवहार है। उन्होंने आगे कहा,"वरिष्ठ सदस्य बता रहे हैं कि यह भारत की संसद के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ...यह कैसा व्यवहार है? वह किस तरह के नेता हैं? इसलिए, हमने इसकी सीसीटीवी फुटेज लेने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्पीकर से शिकायत की है।

जब पीएम मोदी को लगाया गले- मोदी कार्यकाल के पहले साल में भी एनडीए के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। पिछली बार भी राहुल गांधी ने भाषण देने के बाद कुछ ऐसा किया, जिसके बाद वो विवादों में घिर गए थे। दरअसल, साल 2018 में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान भाषण देने के बाद वो अपने सीट से उठे और सीधे पीएम मोदी की ओर चल पड़े। पीएम मोदी को उन्होंने उठने के लिए कहा और जब पीएम मोदी उठे तो राहुल ने उन्हें गले लगा लिया था।

हाईकोर्ट की अहम टिप्पणीः विरोध नहीं करती है तो यह नहीं कहा जा सकता कि शारीरिक संबंध महिला की इच्छा के खिलाफ था

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के झूठे मामलों को देखते हुए एक अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यदि शारीरिक संबंध का अनुभव रखने वाली विवाहिता विरोध नहीं करती है, तो यह नहीं कहा जा सकता है कि किसी पुरुष के साथ संबंध उसकी इच्छा के विरुद्ध है। कोर्ट ने अपनी इसी टिप्पणी के साथ 40 वर्षीय विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी व्यक्ति को अंतरिम राहत दे दी और उसके खिलाफ शुरू हुई आपराधिक कार्रवाई पर रोक लगा दी। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की खंडपीठ जौनपुर के रहने वाले याची राकेश यादव व दो अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। खंडपीठ आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर विचार कर रही थी। कोर्ट ने पाया कि आरोप लगाने वाली दो बच्चों की मां अपने पति को छोड़ दिया और याची के साथ विवाह करने से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगी। याची राकेश यादव के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और 504 के तहत और याची दो व तीन के खिलाफ 504 और 506 के तहत आरोप पत्र दाखिल हुआ था। जौनपुर अपर सिविल जज (जूनियर डिविजन) की अदालत ने संज्ञान लेते हुए समन जारी किया था। इस महिला की शादी वर्ष 2001 में हुई थी और उसके बाद उसके दो बच्चे हुए। पति के साथ उसके संबंध अच्छे नहीं थे। आरोप है कि इसका फायदा उठाकर याची ने उसके साथ रहने लगा। उसने शादी का आश्वासन दिया। पीड़िता याची के साथ पांच महीने साथ रही। सह अभियुक्तों जो कि उसके भाई और पिता हैं, उन्होंने भी याची से उसकी शादी कराने का आश्वासन दिया था। याची की ओर से कहा गया कि महिला परिपक्व है और सभी स्थितियों से भलीभांति जानती है। उसने सहमति से संबंध बनाए। इस पर कोर्ट ने आपराधिक कार्रवाई पर रोक लगा दी और पक्षकारों से छह हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है।

पुरानी पेंशन योजना पर योगी सरकार ने दिया जवाब, किसानों को मुफ्त बिजली देने के संकेत

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र जारी है। सत्र के तीसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने नई पेंशन योजना को लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजना से कर्मचारियों को पुरानी पेंशन से ज्यादा फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने नई पेंशन योजना (एनपीएस) में कर्मचारियों को बड़ी राहत भी दी है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन लागू करने का कोई विचार नहीं है। सपा के विधायकों ने वित्त मंत्री के जवाब से असंतोष जाहिर करते हुए बहिर्गमन किया। यूपी विधानसभा में नई नियमावली पर चर्चा शुरू हुई। सपा विधायक लालजी वर्मा ने संशोधन प्रस्तुत करते हुए नियमावली का उल्लंघन करने पर जुमार्ना 50000 की जगह 5000 रुपये करने सहित अन्य सुझाव दिए। भाजपा विधायक मानवेन्द्र सिंह ने विधायकों से फोन पर हुई बातचीत को सोशल मीडिया पर वायरल करने को विशेषाधिकार हनन में शामिल करने का प्रस्ताव रखा। विधायकों ने सदन की कार्यवाही अधिक दिन चलाने और प्रश्नकाल का समय एक घंटे 20 मिनट से बढ़ाकर दो घंटे करने का सुझाव दिया। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने जल्द ही किसानों के कृषि कनेक्शन पर मुफ्त बिजली देने के संकेत दिए हैं। उन्होंने विधानसभा में कहा कि जल्द ही विपक्षी दल के सदस्य सदन में किसानों को कृषि कनेक्शन पर मुफ्त बिजली देने के लिए सरकार को बधाई देंगे।

मुरादाबाद दंगे की फाइल पर अखिलेश का भाजपा पर तंज, बोले- चुनाव आ गए हैं अब ऐसी रिपोर्ट आती रहेंगी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) को 'शूद्र' समझने का आरोप लगाया। कहा कि जिस तरह हिन्दू-मुस्लिम एकता ने साथ मिलकर अंग्रेजों को भारत से भगाया गया था, उसी तरह विपक्षी गठबंधन 'आइएनडीआइए' और 'पीडीए' मिलकर लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे। सपा मुखिया ने पार्टी कार्यालय में 'अगस्त क्रांति' दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा देश के पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करती है। मुरादाबाद दंगों की रिपोर्ट पर कहा, "चुनाव आ गए हैं, अब इसी तरह की रिपोर्ट आती रहेंगी।" उन्होंने कहा कि 'समाजवादियों ने अपना पूरा जीवन 'पीडीए' को आगे बढ़ाने में लगा दिया। सरकार हमें बताए प्रदेश के विश्वविद्यालयों में जितने कुलपतियों की नियुक्तियां हो रही हैं उनमें पीडीए का कितना प्रतिनिधित्व है। आज सत्ता में वही ताकतें हैं जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था। आप इनसे पूछो कुछ और जवाब कुछ देंगे।

कल सदन में मैंने सवाल पूछा कि 15 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के भविष्य, रोजगार और नौकरी के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं, क्या नई शिक्षा नीति से उनका भविष्य बेहतर हो सकता है? सवाल आबादी का नहीं था मगर मुख्यमंत्री ने जवाब कुछ और दिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने ही मंत्रियों और अधिकारियों पर भरोसा नहीं है, वह 300 करोड़ रुपये ले रही अमेरिकी सलाहकार कंपनी डेलायड पर भरोसा कर रहे हैं। अखिलेश ने भाजपा सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए कहा कि भाजपा सरकार धीरे-धीरे कंपनी बनती चली जा रही है। हर क्षेत्र में निजीकरण किया जा रहा है। जब बड़ी-बड़ी चीजें बिक गईं तो अब सरकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डेयरी, छोटे-मोटे गेस्ट हाउस और मंडी बेच रही है।

सीएम केजरीवाल ने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सर्विस बिल पर समर्थन के लिए सभी नेताओं को धन्यवाद करते हुए चिट्ठी लिखी है। उन्होंने जीएनसीटीडी (संशोधन) विधेयक, 2023 के खिलाफ मतदान करने में उनकी पार्टी के समर्थन के लिए दिल्ली के दो करोड़ लोगों की ओर से आभार व्यक्त किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, शरद पवार, एम के स्टालिन, हेमंत सोरेन, केसीआर समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को चिट्ठी लिखी है। पूर्व PM डॉ मनमोहन सिंह और JMM नेता शिबू सोरेन को विशेष धन्यवाद देते हुए चिट्ठी लिखी कि स्वास्थ्य बेहद खराब होने के बावजूद लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई में शामिल हुए। विधेयक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम में संशोधन कर अधिकारियों की नियुक्ति, स्थानांतरण पर फैसला लेने के लिए प्राधिकरण बनाने का प्रावधान है। प्राधिकरण में मुख्यमंत्री को भी शामिल किया गया है। हालांकि, इस मामले में फैसला लेने का अंतिम अधिकार उपराज्यपाल को दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान का किया शुभारंभ, काकोरी के शहीदों को किया नमन

लखनऊ। आप जिस क्षेत्र में है उसमें बेहतर करें, अपने कर्तव्यों का सही से निर्वहन करें। यही नागरिक कर्तव्य है यही सच्ची राष्ट्र भक्ति है। विभाजन की त्रासदी का स्मरण करें और संकल्प ले कि हम फिर से विभाजन नही होने देंगे। यही शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिस ब्रिटेन ने हम पर 200 वर्षों तक राज किया उसको हराकर आज भारत विश्व मे पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। ये बाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर कही।

मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर मेरी माटी मेरा देश अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कार्यक्रम में आये सभी लोगों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए पंच प्रण को लेकर अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर काकोरी शहीद स्मारक पहुंच कर शहीद मंदिर में स्थापित शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यर्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने मेरी माटी मेरा देश अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यक्रम से जुड़े लोग अपनी जगह पर खड़े होकर अपनी माटी को नमन करें , सेल्फी लें और उसे लोड करें। उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बताए गए पंच प्रण की शपथ कार्यक्रम में आये लोगो को दिलाई । उन्होंने कहा कि आज ही भारत छोड़ो आंदोलन की भी वर्षगांठ है साथ ही अन्य ऐतिहासिक घटनाओं के लिए आज के दिन का स्मरण किया जाता है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़कर मेरी माटी मेरा देश अभियान की शुरूआत हो रही है। सीमा पर व आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने वाले शहीदों का नमन है। आजादी के महोत्सव ने एक ऐसे भारत का दर्शन कराया है जहां किसी के साथ भेदभाव नहीं है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रत्येक भारतीय के पास अवलोकन करने का अवसर है। आगामी 25 वर्षो के अमृत काल से जुड़ने का भी अवसर है। जिस स्थल पर शहीदों ने काकोरी ट्रेन एक्शन को अंजाम दिया उसी स्थल से मेरी माटी मेरा देश अभियान को शुरू करने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीदों ने करीब चार हजार रुपये लूटे थे। उन शहीदों की गिरफ्तारी के लिए ब्रिटिश सरकार ने 10 लाख रुपये खर्च किये थे। अगर लड़ने का जज्बा हो तो बड़ी से बड़ी ताकत को हिलाया जा सकता है। आज भारत शक्तिशाली देशों के समूह जी -20 की अध्यक्षता कर रहा है। आज भारत आत्मनिर्भर है। विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाने वाला भारत है। आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक अनेक कार्यक्रम होंगे। हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ना है। जिस तिरंगे के लिए अनगिनत क्रांतिकारी बलिदान हुए उसी तिरंगे को हर घर फहराना है।

'भारत छोड़ो आंदोलन' की बरसी पर हिरासत में लिए गए महात्मा गांधी के परपोते तुषार, वे बोले- मुझे गर्व है

मुंबई। महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को मुंबई में हिरासत में लिया गया है। उन्होंने ट्वीट करके खुद इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने दावा किया है कि वह 'भारत छोड़ो आंदोलन' की बरसी मनाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन सांता क्रूज पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, मैं नौ अगस्त को भारत छोड़ो आंदलन की बरसी मनाने के लिए घर से बाहर निकला था, लेकिन सांता क्रूज पुलिस स्टेशन में हिरासत में ले लिया गया। मुझे अपने दादा-दादी महात्मा गांधी और बा पर गर्व हैं, जिन्हें इसी ऐतिहासिक तारीख पर अंग्रेजों ने हिरासत में लिया था। तुषार गांधी ने पुलिस स्टेशन से ही ट्वीट किया, जैसे ही उन्हें छोड़ा जाता है वह अगस्त क्रांति मैदान में मार्च करेंगे। उन्होंने कहा, यह शहीदों की याद दिलाने वाला दिन है और अगस्त क्रांति दिवस जरूर मनाया जाएगा। वहीं अभी तक इस मामले में पुलिस की तरफ से कोई बयान नहीं जारी किया गया है। तुषार गांधी ने अन्य ट्वीट कर कहा कि अब जाने की इजाजत दी जा रही है। अगस्त क्रांति मैदान की ओर प्रस्थान। इंकलाब जिंदाबाद! बता दें कि भारत छोड़ो आंदोलन को अगस्त आंदोलन के नाम से जाना जाता है। यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में जाना जाता है। इस साल भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं बरसी है। भारत छोड़ो आंदोलन दिवस हर साल नौ अगस्त को मनाया जाता है। इस दिन को स्वतंत्रता के संघर्ष के दौरान देश की जनता द्वारा दिए गए बलिदानों को श्रद्धांजलि के रूप में याद किया जाता है।

संपादकीय

बिना इंटरनेट के भी स्मार्टफोन में दिखेंगे टीवी चैनल

केंद्र सरकार कई दशकों बाद बिना सेटलाईट, केबिल और इंटरनेट के बिना स्मार्टफोन पर टीवी चैनल लोग देख पाएं, इसके लिए सूचना प्रसारण मंत्रालय की पहल पर आईआईटी कानपुर ने कार्य शुरू कर दिया है। यह माना जा रहा है, कि जल्द ही ब्रॉडबैंड और ब्रॉडकास्ट का मिश्रण स्मार्ट फोन और स्मार्ट टीवी पर संभव होगा। 2005 से यह तकनीकी दुनिया के कई देशों में सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। स्मार्टफोन और घरों में लगी हुई स्मार्ट टीवी, एंड्राइड के माध्यम से संचालित हो रहे हैं। पहले दूरदर्शन की टीवी देखने के लिए एंटीना लगाना पड़ता था। जिसमें टीवी के चैनल जो दूरदर्शन से सेटेलाइट के माध्यम से प्रसारित होते थे। वह छतरी में लगे एंटीना के द्वारा सिग्नल रिसीव कर टीवी के माध्यम से दिखते थे। हर घर में सिग्नल रिसीव करने के लिए छतरी लगी हुई दिखती थी। सरकार ने एक बार फिर पुरानी तकनीकी का सम्मिश्रण करने की पहल की है। इसमें टेलीविजन चैनल,जो सेटेलाइट नेटवर्क पर आधारित हैं। उनके सिग्नल अब एंड्राइड टीवी और एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर रिसीव करके चैनल दिखाने की व्यवस्था सरकार करने जा रही है। डायरेक्ट टू मोबाइल यानी डी 2 एम तकनीकी से स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी में चैनल देखना संभव होगा। आईआईटी कानपुर ने देश में इस सेवा को शुरू करने के लिए एक श्वेत पत्र जारी किया है। जिसमें कहा गया है, कि प्रसारणकर्ता डी 2 एम नेटवर्क के ऐप से क्षेत्रीय टेलीविजन, रेडियो, क्षेत्रीय कंटेंट, इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम, आपदा से जुड़ी सूचनायें, रेडियो सिग्नल ऐप की सुविधा उपलब्ध होगी। बिना इंटरनेट की सहायता से डी 2एम ऐप के माध्यम से कम दाम पर यह सुविधाएं,आम आदमी को उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार प्रयास कर रही है। केंद्र सरकार जो नवीन तकनीकी लाने का निर्णय लिया है। वह ब्रॉडबैंड और ब्रॉडकास्ट का मिश्रण होगा। स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी में लगे रिसीवर, रेडियो फ्रिकवेंसी को पकड़ेगा। इसके लिए सरकार 526-582 मेगा हर्ट्ज बैंड पर सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसमें रेडियो के सिंग्नल का उपयोग किया जाएगा। इस बेंडविथ का उपयोग अभी रेडियो ट्रांसमीशन के लिए होता है। भारत में इस समय 22 करोड परिवारों के पास स्मार्ट टीवी है। इसी तरह लगभग 80 करोड लोगों के पास स्मार्टफोन उपलब्ध हैं। टेलीविजन चैनल प्रसारण के अभी कई माध्यम हैं। टीवी चैनल को सैटेलाइट नेटवर्क, अलग-अलग कंपनियों की ब्रॉडबैंड, इन्टरनेट सेवा और केबल का सहारा लेना पड़ता है। केबिल ऑपरेटर इसका विरोध कर रहे हैं। मोबाइल ऑपरेटर देश में लाखों की संख्या में है। इनमें करोड़ों लोग काम करते हैं। उनका धंधा बंद हो जाएगा। वहीं टेलीविजन चैनलों को उपभोक्ता तक पहुंचने के लिए अभी कई माध्यमों का इस्तेमाल करना पड़ता है। दक्षिण कोरिया और हांगकांग में यह तकनीकी 2005 से काम कर रही है। वहां पर इसे मोबाइल टेलीविजन भी कहा जाता है। सरकार का मानना है, कि 100 करोड स्मार्ट टीवी और स्मार्ट मोबाइल फोन तक ऐप के माध्यम से भारत में डी 2एम तकनीकी का उपयोग कर शैक्षणिक कंटेंट, अति आवश्यक सूचनाएं, आपदा से जुड़ी हुई जानकारियां, वीडियो, रेडियो के अलावा डाटा से चलने वाले ऐप की सुविधा लोगों को सस्ते दाम पर बिना इंटरनेट के मिलना शुरू हो जाएगी। दूरदराज के क्षेत्र में भी जहां अभी तक इंटरनेट नहीं पहुंच पाया है। वहां के उपभोक्ताओं को भी समान अवसर प्राप्त होंगे। इसके लिए मेगाहर्टज बैंड पर संचालित होने वाली, यह तकनीकी काफी कारगर साबित होगी। सरकार जो भी काम करती है। उसमें एकाधिकार कायम करने की कोशिश होती है। जिस ऐप के माध्यम से यह सेवाएं चलाई जाएंगी। उनकी दरें तय करना और उनकी सेवाएं बेहतर तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसके लिए सरकार को कठोर नियम बनाने की जरूरत होगी। सभी जगह सिग्नल प्राप्त हों, इसके लिए उपकरण लगाने होंगे। अभी जो मी स्मार्टफोन हैं, उनमें सिगनल्स नहीं मिलते हैं। कंपनियां दावा करती हैं, कि उनका नेटवर्क सारे देश में है। हर राज्य में है। लेकिन सिग्नल की समस्या हमेशा बनी रहती है। दक्षिण कोरिया,हांगकांग ओर जर्मनी मे यह सेवाएं निर्बाध रूप से सफल हैं। सरकार मोबाइल फोन और स्मार्ट टीवी पर जो सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसमें कंपनियों की जिम्मेदारी भी तय करने की जरूरत है।

पेश ये नजराना !

संसदीय मयार्दा का ।
रखना कुछ खयाल ।।
वरना आगे और भी ।
होगा बुरा हाल ।।
हो हल्ला ही भले ।
आपका अधिकार ।।
देख रही पर जनता ।
करते जो व्यवहार ।।
ना लाए बदलाव अगर ।
पड़ सकता पछताना ।।
हास्यास्पद ना हो जाए ।
पेश ये नजराना ।।
होकर के गंभीर जरा ।
करना फिर विचार ।।
ढ़ह रहा है किला ।
देखो किस प्रकार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पांच माह शिवराज, मत चुके कैलाश

आनन्द पुरोहित

अमित शाह ने स्पष्ट इशारा कर दिया है कि विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता शीर्ष पर शिवराज सिंह चौहान नहीं होंगे। इन्दौर के बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में दिए गए अमित शाह ने अपने भाषण में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते स्पष्ट कहा है कि 2024 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनानी है वहीं 2023 में मध्यप्रदेश में कमल की सरकार बनाना है इसके लिए ही आपको जी जान से जुट जाना है। अमित शाह ने बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में दिए अपने अठ्ठावीस मिनिट सत्ताईस सेकंड के भाषण की शुरूआत कार्यकताओं से दोनों हाथों को उठा मुठ्ठी भींच प्रचंड विजय के संकल्प के साथ भारत माता के जयकारे लगवा कर उसका समापन यह कहते हुए किया कि.... आप सभी हर बूथ से आए हुए कार्यकताओं मैं आप सभी को एक बात कहने आया हूं कि भाजपा को चुनाव मंच पर बैठे नेता नहीं जिता सकते भाजपा को चुनाव बूथ में बैठा कार्यकर्ता जिता सकता है आज यहां से संकल्प ठान कर जाईये कि मध्यप्रदेश में 2023 मे विजय के सारे रिकॉर्ड तोड़कर प्रचंड बहुमत के साथ कमल फूल की सरकार बनानी है और 2024 मे उनतीस की उन्तीस सीटें जिताकर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है उन्होंने रिकार्ड मार्जिन से मध्यप्रदेश में कमल फूल की सरकार बनाने और मोदीजी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प दिला भारत माता की जय के नारे लगवाए।

करीब अपने उनतीस मिनट के भाषण में अमित शाह ने हर बार केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनाने और मध्यप्रदेश में कमल की सरकार बनाने का ही आव्हान किया, जबकि मंच पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भाजपा के अन्य नेताओं के साथ मौजूद थे। फिर भी उन्होंने 2023 में मध्यप्रदेश में कमल के फूल की सरकार बनाने का ही आव्हान किया।

अमित शाह को बड़े बड़े राजनीतिक विश्लेषक भी वर्तमान राजनीति का चाणक्य मानते हैं। राजनीति में उनकी अपनी ही एक अदा है जिस पर उनके समर्थक और पार्टी के नेता ही नहीं उनके विरोधी और विपक्षी भी फिदा है। अमित शाह ने अपने करीब आधे घंटे के संबोधन में अधिकतर समय केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की योजनाओं को ही मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह सरकार द्वारा सुचारू रूप से संचालित किया यही बताया, उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मध्यप्रदेश में कमल के फूल की सरकार बनानी है तो इसका आशय यह ही लगता है कि शिवराज सिंह चौहान की नहीं। अब सवाल यही उठता है कि तो फिर मध्यप्रदेश में किसे सरकार का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा,.... कौन उतरेगा अमित शाह की कसौटी पर खरा। अमित शाह का भारतीय जनता पार्टी में प्रभाव क्या है बताने की आवश्यकता ही नहीं है। उमा भारती के नेतृत्व में भाजपा के मध्यप्रदेश की सत्ता में काबिज होने के बाद सत्ता शीर्ष पर परिवर्तन की खबरें उनके इस्तीफे और बाबूलाल गौर के एक्सीडेंटल सीएम बनने के बाद से ही थोड़े थोड़े अंतराल पर लगातार सुर्खियों में रही है, परन्तु इस बार तो ज्योतिरादित्य सिंधिया की कांग्रेस से बगावत के बाद तीन वर्ष पूर्व सत्तासीन हुई भाजपा सरकार के सत्ता में आने के साथ ही शीर्ष नेतृत्व में परिवर्तन की खबरें शुरू हो गई थी।

इस टर्न के शुरूआती दिनों में ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम मुख्यमंत्री के लिए सर्वाधिक चर्चा में रहा फिर जब उन्हें केन्द्रीय मंत्री पद मिला तो नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, वीडी शर्मा, नरोत्तम मिश्रा के साथ कैलाश विजयवर्गीय के नामों पर चर्चा होनी शुरू हो गई थी। वर्तमान प्रदेश बीजेपी सरकार के कार्यकाल के पहले के कार्यकालों में जहां कैलाश विजयवर्गीय का नाम सबसे ऊपर था वहीं इस बार वह तीसरे, चौथे, पांचवें पायदान पर पहुंच चुका था परन्तु पिछले एक माह से सर्वाधिक चर्चा फिर उनके नाम की ही शुरू हो चुकी है। इसके कारणों में उनकी राष्ट्रीय महासचिव पद पर लगातार चौथी बार नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की उनको कहीं वह बात जिसे कैलाश विजयवर्गीय ने खुद सार्वजनिक किया .... कि जब मैंने महासचिव नियुक्त किए जाने पर नड्डा जी से बात कर कहा कि आपने फिर मुझे यह जवाबदारी सौंपी तो नड्डा जी का कहना कि बनाना तो कुछ और चाहता था पर, अभी यहीं। अब अमित शाह ने भी खुले मंच से इशारा कर ही दिया है तो कैलाश विजयवर्गीय के लिए उनके ही विधानसभा चुनाव लड़ते वक्त, उनके लिए दी गई पंच लाइन याद आ जाती है, कि - अपना तो बस कैलाश।

ऐसा नहीं है कि पहले कभी कैलाश विजयवर्गीय के लिए जुगत नहीं लगाई गई हो, उमा भारती के इस्तीफे के बाद बाबूलाल गौर के मुख्यमंत्री काल में भी कैलाश विजयवर्गीय के मुख्यमंत्री बनने की खबरें प्रदेश राजनीतिक सुर्खियों में सबसे उपर रहते शिवराज सिंह चौहान की ताज पोशी के बाद भी चलती रही थी। शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्रित्व काल में भी अनेक बार इसके प्रयास किए गये जिनमें सबसे चर्चित जबलपुर में विधायकों का जमावड़ा और इन्दौर में आशा संस्था को अलाट पीडब्ल्यूडी के बंगला नम्बर दो में बयालीस विधायकों की परेड का रहा था । समर्थकों ने तो फटाके भी फोड़ने की तैयारी कर ली थी। परन्तु पता नहीं तब कौनसे कार्य आडे आ गए थे । अब सब कुछ सामान्य और स्थिति भी पूरी तरह फेवर में ही है। तभी तो कहा है कि मत चुके कैलाश,.... मौका भी है दस्तूर भी अब नहीं तो फिर शायद कभी नहीं। चर्चा उसकी भी जिसकी वजह से शायद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पाइंट में लगातार गिरावट आती गई और जिसके कारण अमित शाह ने 2023 में मध्यप्रदेश में कमल फूल की सरकार का कहा शिवराज सिंह चौहान की सरकार का नहीं यहां जरूरी है। बीजेपी केन्द्रीय संगठन को मध्यप्रदेश के सरकारी विभागों में लोकायुक्त छापों से रोजाना उजागर हो रहे भ्रष्टाचार के मामले और स्वास्थ्य सेवाओं के बुरे हाल की लगातार छप रही खबरों के अलावा शिवराज सिंह चौहान द्वारा मंचों से ही सार्वजनिक रूप से अधिकारियों कर्मचारियों को सस्पैंड करने की घोषणा कर बोल वचन कहते तालियां बजवाना लेकिन सस्पेंड अधिकारियों द्वारा कोर्ट से तुरंत स्टे ले आना इन दो प्रमुख कारणों से प्रदेश में एंटी इनकम्बेसी की सूचना मिल रही थी, वहीं शिवराज सिंह चौहान द्वारा सभा मंचों पर अपनाई जा रही रैम्प वाक भाषण शैली मतलब मंच पर घूमते फिरते संबोधन, जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को तो उनके इंवेंट मैनेजर्स और जी हुजूरी करने वालों द्वारा बहुत शानदार प्रस्तुति बताई जा रही थी वहीं पब्लिक में मजाक का विषय बन रही थी और इसकी सूचना भी उपर तक पहुंच रही थी जिससे संगठन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की स्थिति को लेकर पेशोपेश में था लेकिन कोई सर्वमान्य उचित विकल्प नहीं मिलने और मुंह बाये सामने खड़ी चुनाव घड़ी के चलते यथा स्थिति बरकरार रखे था अब चुनाव बाद तो बदलाव निश्चित ही हो गया है।

आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह में हर घर तिरंगा एवं मेरी माटी, मेरा देश का हुआ कार्यक्रम

जौनपुर। कार्यालय महानिदेशक एवं राज्य परियोजना निदेशक उ0प्र0 के क्रम में आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह में हर घर तिरंगा एवं मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित समस्त विद्यालयों मे अमृत कलश हेतु मिट्टी का संग्रहण किया गया। विद्यालयों मे अध्ययनरत छात्र-छात्राओं द्वारा गाँवों के खेत/बगीचें/अन्य स्थानों से मिट्टी लाकर विद्यालय परिसर में मुट्ठीभर मिट्टी को प्रत्येक विद्यालय द्वारा दो कलशों मे संग्रहित करते हुये विद्यालय में सुरक्षित रखवा दिया गया। मिट्टी संग्रहण के पश्चात विद्यालयों मे माटी गीत का गायन आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालयों के समस्त अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा मेरा माटी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत कम्पोजिट विद्यालय कोठवार, वि0क्षे0-करंजाकला एवं कम्पोजिट विद्यालय सबरहद, वि0क्षे0-शाहगंज मे प्रतिभाग किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय प्रांगण मे उपस्थित ग्राम सभा के गणमान्य सम्मानित नागरिकों, विद्यालय मे कार्यरत शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया कि आजादी का अमृत महोत्सव भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे आयोजित एक पुनित माटी वन्दनोत्सव है, जिसमे हम सभी के लिये अपनी विराट सांस्कृतिक विरासत के अवलोकन व मातृभूमि के वीर सपूतों/स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान से प्रेरणा लेने का स्वर्णिम अवसर है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सभा मे उपस्थित सभी गणमान्य लोगों, शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को जनसहभागिता के साथ इस महोत्सव को मनाये जाने हेतु संकल्पित कराया गया।

क्या स्वतंत्रता के बाद हमारी नैतिकता, चरित्र में गिरावट आयी हैं?

विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

स्वतंत्रता की भूमिका हमारे देश में १८५७ से शुरू हुई थी जिसमे मंगल पांडेय, रानी झाँसी जैसे हजारों लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया था। उस समय एक ही लक्ष्य था की हमें गुलामी की जंजीरों से मुक्त होना हैं। यह इतनी अंधी सुरंग जैसे लड़ाई थी जिसका कोई ओर छोर नहीं था। अनथक प्रयास और कुरबानियों क सिलसिला चला जा रहा था। बंगाल के साथ जहाँ जहाँ भी शिक्षा केंद्र थे वहाँ से ज्ञान अर्जन कर अपनी स्थिति समझकर विरोध करते रहे। जैसे जैसे नए नए नवयुवकों का प्रादुर्भाव हुआ चेतना का सञ्चालन हुआ और आंदोलन में गति आयी।

१८८५ में कांग्रेस का गठन होकर एक मंच पर आना शुरू हुआ। उसमे से बहुत नवयुवक और बुद्धिजीवी जन जुड़े और एक मंच मिलकर आंदोलन को बल दिया। कुछ विदेशों में भी रहकर गुलामी की पीड़ा से जूझ रहे थे। उस दौरान सब में आत्मबल के साथ जोश था। सब देश के लिए कुर्बान होने को तत्पर रहे और लाखों लोगों ने अनाम योध्या बनकर कुबार्नी दी। उनका मात्र एक लक्ष्य था गुलामी से मुक्ति और स्वराज्य की कल्पना। उस दौरान उनमे देश प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी थी, उन्होंने न परिवार देखा न समाज केवल देश इसके अलावा कोई विकल्प नहीं। और उस कसौटी पर खरे भी उतरे।

जैसे ही देश स्वतंत्र हुआ उस समय गरीबी, भुखमरी अशिक्षा, बेरोजगार आदि आदि बहुत थी विकास एक प्रकार से शून्य था। उस समय की परिस्थियाँ बहुत नाजुक थी। तत्कालीन नेताओं और सरकारों ने बहुत मेहनत की, नयी नयी योजनाएं लाये, औद्योगिक क्रांति के साथ बड़ेबड़े बाँध बनाये गए। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा का आभाव होने से सब सरकारों की प्राथमिकता अधोसंरचना को स्थापित करने की थी। जैसे जैसे विकास का कदम उठाये वैसे ही दो दो युध्य और राजनैतिक अस्थिरता के कारण विकास कम हो पाया।

देश में स्वतंत्रता के कारण स्वच्छंदता का वातावरण बनने से नए नए नेताओं का जन्म हुआ जो छात्र जीवन से, कोई जय प्रकाश नारायण के आंदोलन से, सत्ता के विकेन्द्रीयकरण से पंच सरपंच, पंचायत, विधायक सांसद और मंत्री बनने से उन्हें पैसों के लालच ने कुछ भी निम्म स्तरीय कराय करने का अवसर मिला इसी बीच उद्योगपतियों की होड़ ने विलासिता को जन्म दिया। अर्थ के कारण सब अनर्थ करने लगे। दिन रात भौतिक संसाधन जुटाने सभी वर्ग द्वारा मात्स्य न्याय का चलन शुरू हुआ। पहले इन गिने भ्रष्ट मिलते थे आज इन गिने ईमानदार मिलते हैं।

देश में राजनैतिक अस्थिरता के कारण चारित्रिक गिरावट राजनीति के साथ अफसरसाही में आयी और फिर तो पैसे बटोरने की अंधी दौड़ शुरू हुई, देश में जो जो विकास की गति बढ़ी वैसे वैसे विनाश भी शुरू हुआ। स्वाभाविक रूप से शुरूआत में निर्माण कार्य में धन की बहुलता होने से बहती गंगा में सबने हाथ धोये। उसके बाद काला धन विदेशों में जमा किया जाने लगा। मंहगाई ने गगन चुम्बी छलांग लगाना शुरू किया। एक समय निर्माण कार्य जैसे भवन सड़क। स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल जैसे सभीनिर्माण कार्यों में बेहताशा धन आने से बहुत विकास हुआ।

एक बात यह समझ में आयी की जितने जितने हम आजादी में युवा से वृद्धावस्था में पहुँच रहे हैं उतनी उतनी धन लोलुपता के कारण हम जितने विकासशील होना चाहिए थे नहीं हो पाए। भ्ष्टाचार और अनैतिकता के घुन ने देश को खोखला भी कर दिया। अब जब गंगोत्री ही अपवित्र हैं तो गंगा कहाँ तक पवित्र होगी। सबसे उच्चतम स्तर पर नियम कायदे कानून नहीं बचे, उनके द्वारा धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं तो सामान्य जन से क्या

फाउंडेशन देगा कंपोजिट विद्यालय रमईपट्टी को सौगात

प्रखर पिंडरा वाराणसी। एचडीएफसी एवं अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के साथ एस एम सी की बैठक पिंडरा ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल रमईपट्टी में संपन्न हुई।बैठक में अभिभावकों विद्यालय के नवाचारी शिक्षक कमलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि संस्था ने ग्राम सभा को गोद लेकर सामाजिक गतिशीलता के अंतर्गत शिक्षा,स्वास्थ्य, महिलाओं और किसानों की सहायता के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में बुधवार को ग्रामसभा के किसानों के लिए 14 प्रकार के कृषि उपकरण ग्रामसभा के सरदार बल्लभ भाई पटेल किसान क्लब को उपलब्ध कराएं गए। अपने संबोधन में अंबुजा सीमेंट की फील्ड फैसिलिटेटर ऋतु पांडे ने बताया कि जल्द ही कम्पोजिट स्कूल रमईपट्टी को पांच प्रकार की सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएंगी जिसमें बच्चों को बैठने के लिए डेस्क ब्रेंच,स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशाला,खेल सामग्रियां एवं पुस्तकालय के लिए अलमारियां व पुस्तकें सम्मिलित होगी। अंत में ग्राम सभा रमईपट्टी को सहयोग व उपहार देने के लिए प्रधानाध्यापक प्रवीण कुमार सिंह ने एचडीएफसी एवं अंबुजा सीमेंट के प्रति आभार प्रकट किया। बैठक में एसएमसी अध्यक्ष निठुरी राम, उपाध्यक्ष मंजू, सदस्यगण जीउत राम, रामकिसुन,मधुबाला,सरिता, विजय शंकर, दिनेश कुमार पटेल, ,धर्मराज समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

सावन सोमवार एवं शिवामूठ (शिवमुष्टी व्रत)

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार चातुर्मास प्रारंभ होने पर आने वाला पहला माह सावन होता है । रूढी परंपरा के अनुसार इस माह से व्रत आदि शुरू हो जाते हैं। इस माह को पवित्र माह कहा जाता है। इस माह में सावन सोमवार, नाग पंचमी, मंगला गौरी पूजन, नारियल पूर्णिमा ,रक्षाबंधन, शुक्रवार के व्रत ऐसे अनेक व्रत किए जाते हैं । इस माह के प्रत्येक सोमवार को सावन सोमवार व्रत किया जाता है । इस वर्ष यह व्रत 7, 14, 21 एवं 28 अगस्त को होंगे । सावन माह में सोमवार को शिव मंदिर में जाकर शिव पिंडी का अभिषेक, पूजा एवं शिवामूठ अर्पित करना इस तरह यह व्रत किया जाता है । प्रस्तुत लेख में सावन सोमवार का व्रत किस तरह अंगीकृत करना चाहिए इस संबंध में विवेचन किया गया है।

सोमवार के अलावा अन्य व्रत धर्म द्वारा बताए अनुसार एवं परंपरा के अनुसार शुरू रहते हैं। ऐसे इस पवित्र सावन माह के व्रत भक्ति भाव से करके उस के माध्यम से देवता का तत्व ग्रहण करके आनंद प्राप्त करेंगे।

प्रत्येक सोमवार को किया जाने वाला व्रत अर्थात सावन सोमवार : -

सावन महीने के प्रत्येक सोमवार को भगवान शंकर के मंदिर में जाकर उनकी पूजा करनी चाहिए एवं संभव हो तो निराहार व्रत करना चाहिए अथवा एक भुक्त अर्थात (एक समय भोजन) करना चाहिए । इससे भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं एवं शिव सायुज्य मुक्ति प्राप्त होती है।

सावन सोमवार को उपवास करके भगवान शिव की विधिवत पूजा करने का महत्व ग्रंथ 'व्रत राज 'में निम्न श्लोक के माध्यम से बताया गया है व इसका अर्थ भी आगे बताया गया है।

"उपोषितः शुचिर्भूत्वा सोमवारे जितेन्द्रियः।

वैदिकैर्लौकिकै मन्त्रैर्विधिवत पूजयेच्छिवम्।।"

अर्थ - संयम एवं शुचिता आदि नियमों का पालन करते हुए सोमवार को उपवास करके वैदिक अथवा लौकिक मंत्र से भगवान शिव की विधिवत पूजा करनी चाहिए।

शास्त्रकारों ने मन पर संयम रखकर शुचिता आदि नियमों के पालन के विषय में उसी तरह उपवास करने के संबंध में बताया है। उसी तरह अपने अपने ज्ञान के आधार पर संभव हो उस वैदिक अथवा लौकिक मंत्र के द्वारा शिवपूजन करना चाहिए ऐसा बताया है।

शिवजी की षोडशोपचार अथवा पंचोपचार पूजा की जा सकती है। पूजा करते समय भगवान शिव को सफेद फूल चढ़ा सकते हैं। त्रिदल बिल्वपत्र चढ़ाना चाहिए । शिव को अर्ध प्रदक्षिणा करनी चाहिए । उस दिन शिव जी का 'ओम नमः शिवाय' यह नाम जप अधिक से अधिक करना चाहिए।

शिवामूठ व्रत करने की पद्धति - विवाह के बाद प्रथम 5 वर्ष सावन सोमवार को शिवामूठ व्रत किया जाता है। सावन माह में आनेवाले चार सोमवारों को चार अलग-अलग तरह के धान्य भगवान शिव को अर्पित किए जाते हैं । इसमें सावन माह के प्रत्येक सोमवार को एक भुक्त रहकर शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए एवं क्रमानुसार चावल, तिल, मूंग, जौ एवं सत्तू (पांचवा सोमवार आए उस दिन) इन अनाजों की पांच मुठ्ठियां भगवान पर चढ़ानी चाहिए।

संदर्भ : सनातन संस्था का ग्रंथ " त्यौहार, धार्मिक उत्सव, एवं व्रत "

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में ग्राम सभा कटघरा गाजीपुर के स्वतंत्रता सेनानीयों का पराक्रम और यादें

प्रखर गाजीपुर। स्वतंत्रता दिवस की पावन बेला पर मनाए जा रहे अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 2023 में देश के प्रधानमंत्री द्वारा मेरी माटी ,मेरा देश कार्यक्रम का संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत पूरे देश के स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में देश के लड़ने वाले उन सभी योद्धाओं को याद दिया जा रहा है जिन्होंने इस आंदोलन में हिस्सा लिया है। अनेकानेक योद्धाओं में बहुत ऐसे नाम है जिन्हे आज की पीढ़ी नही जानती है उनमें से ग्राम कटघरा, क्षेत्र - मनिहारी,गाजीपुर अंतर्गत चार महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे जिनमें श्री दुर्गविजय सिंह,श्री हरिद्वार सिंह,श्री राम सिंह ,श्री राजनाथ सिंह देश की यह महान विभूतियां भले ही हमारे बीच नहीं हैं लेकिन इनके द्वारा देश की आजादी के लिए बहुत से साहसिक कार्यों जैसे नंदगंज रेलवे स्टेशन पर अंग्रेजी हुकूमत के हथियारों की लूट, जिससे उनके खिलाफ बगावत की जा सके ,सादात थाने पर अंग्रेज दारोगा के आतंक का अंत में ,अन्यान्य कार्य में ये लोग शामिल रहे। श्री दुर्ग विजय सिंह नेता जी सुबास चंद्र बोस जी के आजाद हिंद फौज में भी शामिल रहे ।सरजू पांडे जी जो जिले के कद्दावर नेता थे उनसे प्रेरित होकर अपने जिले में आजादी की लड़ाई में शामिल हुए।आजादी बाद सरकार द्वारा नैनीताल में प्राप्त जमीन को स्वीकार्य नहीं किया।स्व राम सिंह जी कम्युनिस्ट विचार धारा के थे ,इनके यहां इनके विचार धारा के लोगो का जमावड़ा लगता था इनकी स्मृति में पब्बर राम (जिले के अग्रणी नेता)ने गांव के पोखरे पर लॉट लगाया।ये बहुत जुझारू व्यक्तित्व के थे।अपनी विचार धारा के कारण कांग्रेस सरकार द्वारा दी गई सुविधा नहीं लिए। श्री हरिद्वार सिंह जी का भी संघर्ष उल्लेखनीय था उन्होंने अपने बुद्धिमता से अंग्रेजो को भगाने में बहुत योगदान दिया साथ ही स्व राजनाथ सिंह जी जो भी कुछ वर्ष पहले ही गोलोक गए इन्होंने काफी समय जेल में व्यतीत किए।इन महापुरुषों की अनगिनत कहानियां है जो ग्राम वासी व क्षेत्र वासी चर्चा करते रहते है। नेता जी व महात्मा गांधी जी के निर्देशन में अंग्रेजी सरकार के अत्याचारों का विरोध करने के क्रम में इन वीर नागरिकों ने अपने गांव,देश को आजाद कराने के लिए बहुत से कार्य किए,यातनाएं झेली,जेल गए तब जाकर आज हम सब आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है। इन मां भारती के वीर सपूतों को मेरी माटी,मेरा देश कार्यक्रम के तहत याद करके श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

अर्चिता सिंह
सहायक अध्यापक
पूर्व माध्यमिक विद्यालय कटघरा,मनिहारी,गाजीपुर

जिलाधिकारी के आश्वासन पर भाकपा माले का सामूहिक भूख हड़ताल खत्म

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष कामरेड सरजू पाण्डेय पार्क में भाकपा माले का 50 घंटे की सामूहिक भूख हड़ताल आज तीसरे दिन जिलाधिकारी के आश्वासन पर समाप्त हुआ। आज 9 अगस्त ऐतिहासिक क्रांति दिवस और विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर उन क्रांतिकारी वीरों और महा पुरूषों को याद व नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके सपनों का भारत बनाने की क्रांतिकारी आंदोलन तेज करने और देश की सत्ता से साम्प्रदायिक फासिवादी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। भूख हड़ताल की समापन और क्रांति दिवस और आदिवासी दिवस पर मौके पर सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि आज देश में एक फासिवादी सरकार चल रही है जो देश का संविधान और

लोकतंत्र को कुचल रही। भाजपा सरकार सार्वजनिक सेक्टरों व देश के धरोहर और प्राकृतिक संपदा जल, जंगल जमीन व पहाड़ों से लेकर खनिज पदार्थों को नीति कारपोरेट हाथों में धड़ल्ले से बेचने की काम कर रही है। जिसका बिरोध करने वाले लोगों को जेल भेजा जा रहा है या उन्हें किसी ना किसी रूप मार दे रही है। जब कोई लोकतांत्रिक आन्दोलन हो रहा है तो उसे यह सरकार पूरी ताकत से कुचल दे रही या उसे अनसुना कर रही है।

भाजपा सरकार में अधिकारी भाजपा नेताओं के इसारे पर काम कर रहे है। प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था का बिरोध करने पर थाना खानपुर में हमारी पार्टी के नेताओं पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया है, और नगसर हाल्ट थाना में गोरख बनवासी और मंगरू कनौजिया की बर बर पिटाई करने वाले नगसर हाल्ट थाना प्रभारी के उपर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, यह सरकार भू माफियाओं के नाम पर जिले में गरिबों के घरों और बस्तीयों के उपर बुलडोजर चला रही है। जिसके खिलाफ हम भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। आज हम लोगों को भूख हड़ताल पर बैठने और जिले के कोने कोने से सैकड़ों किसान मजदूर छात्र नौजवानों की गोलबंदी के बाद जिला प्रशासन को होश आया तो हमारी सभी मांगों पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर हल करने की आश्वासन पर हम भूख हड़ताल समाप्त कर रहे है, जिला प्रशासन अपने वादा से पिछे हटेगा तो जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

सभा में प्रमुख रूप से कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा शशिकांत कुशवाहा योगेन्द्र भारती राजेश बनवासी, सतेन्द्र प्रजापति, चन्द्रावती बिन्द, रामप्रवेश कुशवाहा, सदानंद पटेल, रामाशीष बिन्द, प्रमोद कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, मंजू गोंड, गुलाब सिंह, लालबहादुर बागी, नन्दकिशोर बिन्द, सरोज यादव, मंजू गोंड, लालबहादुर बागी, डाक्टर सलाहुद्दीन खां सभा की अध्यक्षता रामबदन बिन्द व संचालन योगेन्द्र भारती ने किया।

देश हित मे युवा क्रांतिकारियों को गंवानी पड़ी थी जान : लालचंद्र लाले

प्रखर जौनपुर। करंजाकला विकासखंड के सैदपुर गडऊर गांव में शिवबरन शिक्षण संस्थान परिसर में अगस्त क्रांति दिवस का आयोजन किया। जिसमें आए हुए अतिथियों ने देश के लिए जान गाने वाले युवा क्रांतिकारियों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और कहां की आज के

लोगों को इनसे सीख लेने की जरूरत है । जिससे बदलाव हो। सपा के अगस्त क्रांति दिवस व जनपंचायत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता लालचंद यादव " लाले " ने कहा कि देश हित के लिए बहुत युवा क्रांतिकारियों ने अपनी जान गवाई थी, अंग्रेजो के खिलाफ अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले बिरसा मुंडा ,चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल, समेत सैकड़ों क्रांतिकारियों ने देश के आजादी में अपनी पूरी जीवन की आहुति दी। उनकी कुबार्नी को सलाम और सम्मान करें । अब नई क्रांति में शिक्षा कृषि व्यवसाय को और ऊंचे स्तर पर पहुंचाये और समाजवादी पार्टी के जिम्मेदार सिपाही नई क्रांति के लिए कदम बढ़ाये। जिससे देश का विकास हो सके और गांव के अति पिछड़े तबके के समाज को उनकी समस्या का निराकरण करवाये। सदर विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र यादव जन पंचायत के माध्यम से गरीब असहाय व आदिवासी समाज के लिए हर संभव कदम उठाने का जोर दिया। पर्यवेक्षक जितेंद्र कुमार व प्रभारी दुर्गा प्रसाद ,डॉ राज बहादुर ,डॉ नागेंद्र शर्मा, रोहित चौहान, रंग बहादुर चौहान ने लोगों को जोर देते हुए अभी भी समाज में बहुत कुछ क्रांति विकास बदलाव की जरूरत है, जिसके लिए समाजवादी पार्टी कार्यकताओं को लगकर सबका सहयोग करना होगा। संचालन दारा सिंह चौहान ने किया। इस अवसर हरिशंकर मिश्रा, गोरखनाथ, मिठाई लाल, पारसनाथ, गोपाल ,सेवालाल, इस्लाम, रामस्वरूप, लालजी, नीकेलाल शर्मा, देवा यादव ,धर्मराज ,मंगला प्रसाद, मुकेश ,प्रेम शंकर, गिरजाशंकर मौजूद रहे।

नेत्र जांच व महिला रोगियों का कैम्प में हुआ निःशुल्क उपचार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अभ्युदय सेवा समिति के बैनर तले नर सेवा नारायण सेवा के तहत जमुना सेवा सदन अस्पताल द्वारा वृहद नेत्र जांच व महिला रोगो से ग्रसित दर्जनो महिलाओं का बुधवार को पिंडरा स्थित पॉवर हाउस के सामने लगे कैम्प में निःशुल्क उपचार हुआ। उक्त नेत्र शिविर में प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ आकाश टण्डन ने आई फ्लो, दृष्टि जांच, मोतिया बिंद, व आँख के पर्दे की जांच के साथ कुल 234 मरीजो को निशुल्क दवा व

आई फ्लू से बचने के लिए दर्जनों लोगों ने चश्मा दिया गया। वही महिला रोग विशेषज्ञ डॉ पर्णिका अग्रवाल द्वारा 123 विभिन्न रोगों से ग्रसित महिलाओं का उपचार किया।

बूथ को मजबूत और भाजपा को उखाड़ने का लिया संकल्प

प्रखर पिंडरा वाराणसी। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के साथ सरकार का उखाड़ फेंकने का संकल्प पिंडरा विस- क्षेत्र के कार्यकताओं ने लिया। पिंडरा विस- क्षेत्र के तरसड़ा व कठिराव बूथ जुटे कार्यकर्ताओ ने कहाकि 9 अगस्त की तिथि क्रांतिकारी तिथि है। जिस तरह देश से अग्रेंजो को भगाने का संकल्प लेकर देश के बूढ़ों से नौजवान से तक निकले थे आज फिर देश विरोधी व जन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें सत्ता से बाहर फेंकने का संकल्प लेना होगा।

दूसरी कक्षा की 6 वर्षीया छात्रा ने स्वर्ण पदक विजेता बन उत्तर प्रदेश को देश में दिलाया प्रथम स्थान

प्रखर जौनपुर। 14 वां राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 का आयोजन लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन तथा यूपी गुडविल ताइक्वांडो एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। चैंपियनशिप के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे।तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल पट्टी नरेंद्रपुर जौनपुर के छात्र-छात्राओं में अपने संवर्ग में कक्षा 2 की 6 वर्षीया छात्रा समृद्धि सिंह ने स्वर्ण पदक प्राप्त करके प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान दिलाया। देश के विभिन्न राज्यों से आये छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया । अन्य प्रदेशों के छात्र-छात्राओं के बीच संघर्षपूर्ण प्रदर्शन में अंततः समृद्धि सिंह ही अपने संवर्ग में स्वर्ण पदक विजेता बनीं। इसी विद्यालय की मानसी बिंद तथा आस्तिक यादव अपने वर्ग में रजत पदक तथा आदर्श कुमार ने कांस्य पदक पाकर विद्यालय परिवार का मान पूरे देश में बढ़ाया है।

समापन पर यह सम्मान यूपी एटीएस के अपर पुलिस महानिदेशक नवीन अरोड़ा के हाथों मिला।अपनी उम्र के सभी बच्चों में 6 वर्ष की इस बच्ची ने अपनी उत्कृष्ट उपलब्धि से क्षेत्र की छवि पूरे देश में स्थापित किया है।ग्रामीण और अत्यंत पिछड़े इलाके में संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता का अभाव होने के बावजूद देहात की मिट्टी की सुगंध रंग लाई ।इस नन्ही सी बच्ची ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभाओं के लिए संसाधनों की कमी सफलता में बाधा नहीं डाल सकती बशर्ते मंजिल हासिल करने का जुनून हो। श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के पूर्व प्रधानाचार्य व स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ.रणजीत सिंह ने इस जीत पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि प्रतिभाएं कहीं भी पैदा हो सकती हैं यदि उन्हें तराशा जाए और अवसर प्रदान किया जाए। विद्यालय के प्रबंध निदेशक, कोच,प्रधानाचार्य ,शिक्षकों और छात्र छात्राओं को धन्यवाद और आशीर्वाद देता हूं जिन्होंने बच्चों को उड़ान भरने के लिए खुला आसमान दिया।रात -दिन इनके लिए प्रयत्न किया।पूरा क्षेत्र, जनपद और प्रदेश गौरवान्वित है ।मुझे उम्मीद है और विद्यालय भी इससे प्रेरणा लेंगे। विद्यालय के प्रबंध निदेशक संजय सिंह ने कहा कि विद्यालय परिवार ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश के लिए यह सुनहरा अवसर और गौरवशाली क्षण है। इस सफलता से अन्य छात्रों को भविष्य उज्जवल करने के लिए एक सकारात्मक संदेश जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से छात्रों में शारीरिक, बौद्धिक ,आध्यात्मिक सामाजिक क्षेत्र में विकास होगा जिससे एक श्रेष्ठ नागरिकता का मार्ग प्रशस्त होगा और तभी बहुमुखी प्रतिभाओं का विकास हो सकता है।

क्रांतिकारी बिरसा मुंडा ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मनबल गांव में आदिवासी दिवस एवं बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर वनमानुष व मुसहर सभा का आयोजन किया गया। जिसमें आए हुए अतिथियों ने बिरसा मुंडा की पूण्यतिथि पर उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सभी जाति जनजाति आदिवासी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोला और अन्य के लिए संघर्ष किया। विश्व आदिवासी दिवस एवं बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर भारतीय आदिवासी वनवासी कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष बेनी प्रसाद बनवासी ने संबोधित करते हुए कहा कि बिरसा मुंडा को 25 वर्ष की उम्र में 3 फरवरी वर्ष 1900 में चक्रधरपुर के जंमकोपाई जंगल से अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर लिया, रांची के जेल में बंद किए गए, 9 जून वर्ष उन्नीस सौ अंग्रेजों ने साजिश कर उनकी हत्या जेल मे कर दी । वह ऐसे क्रांतिकारी थे जिन्होंने आदिवासी बनवासी जनजाति वनमानुष समाज के लिए उन्होंने शिक्षा का अलख जगाने का काम किया। आदिवासी समाज को शिक्षा के लिए प्रेरित किया और अंग्रेजों के विरुद्ध न्याय के लिए संघर्ष किया। जिससे उनकी हत्या की गई। अध्यक्षता कर रहे हैं हरीराम वनवासी ने कहा कि मुसहर व आदिवासी समाज आधा पेट भोजन करें बच्चों को पढ़ाएं तभी उनका

विकास हो सकता है। बैरागी राम ने कहा कि नशा छोड़ें ,मदिरा सेवन में पैसे बर्बाद ना करें और उसे बच्चों को पढ़ाने और अपने समाज के सहयोग में इस्तेमाल करें। प्रधान नरेंद्र यादव ने कहा कि बनवासी मुसहर समाज में जागरूकता बढ़ी है और बल्कि एक वोट का महत्व समझे तो निश्चित ही समाज का विकास होगा। संचालन बैरागी राम ने किया। इस अवसर पर सुखराम, राम निहोर, रामकेश ,दशरथ बनवासी ,राम आशीष, रामाश्रय ,चंदू ,साठीराम ,उमा लाल मौजूद रहे।

पत्रकार एकता संघ व माँ धर्मा देवी फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा किया गया वृक्षारोपण

प्रखर जौनपुर। पत्रकार एकता संघ के नेतृत्व में प्राथमिक विद्यालय कोठवार विकासखंड करंजकला जौनपुर के प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। जिसके मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल व विशिष्ट अतिथि श्रवण कुमार यादव खण्ड शिक्षा अधिकारी, श्याम बाबू यादव जिला पंचायत सदस्य, पत्रकार एकता संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा, वाराणसी मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में जिला उपाध्यक्ष विनय कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन व विशिष्ट अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया इसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार सिंह और अध्यापक व अध्यापिका ओं के साथ वृक्षारोपण किया गया इसके साथ ही विद्यालय के अध्यापक व छात्र छात्राओं को वृक्ष की देखभाल का निवेदन किया गया क्योंकि पेड़ पौधों से ही हमे छाया, ऑक्सीजन व फल मिलता है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा की वृक्षों की मानव जीवन में अहम उपयोगिता होती है इनसे हमें फल फूल छाया व ऑक्सीजन मिलती है इसलिए वृक्षों का संरक्षण करना चाहिए उक्त कार्यक्रम में फलदार छायादार व पुष्प के पौधे लगाए गए पत्रकार एकता संघ द्वारा एक लाख पौधा लगाने का लक्ष्य रखा गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने पत्रकार एकता संघ की काफी सराहना की और साथ ही पत्रकार एकता संघ के समस्त पदाधिकारियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा विद्यालय का निरीक्षण भी किया गया कहीं भी कोई कमी नहीं मिली उन्होंने कक्षा तीन की छात्रा आकृति से हिंदी की किताब पढ़ाया छोटी बच्ची ने हिंदी का पाठ पढ़कर सुनाया इस पर मौजूद सभी लोगों ने तालियां बजा दी। इस मौके पर

पत्रकार एकता संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा,मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार,मंडल मीडिया प्रभारी वाराणसी मंडल राकेश कुमार शर्मा, जौनपुर जिला उपाध्यक्ष विनय कुमार, गोरखनाथ, मोहम्मद कैफ,मोहम्मद आसिफ, वीरेंद्र कुमार यादव सहसचिव वाराणसी मंडल, सुरेंद्र यादव,सोहन यादव अजीत यादव अध्यापक, पूनम प्रजापति, निधी सिंह, प्रतिमा मौर्या व विद्यालय के समस्त अध्यापक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सर्व सेवा संघ (अखिल भारत सर्वोदय मंडल) वर्धा, सेवाग्राम, महाराष्ट्र के तत्वावधान में अगस्त क्रांति दिवस पर अगस्त क्रांति सम्मेलन का आयोजन

प्रखर वाराणसी। सर्व सेवा संघ (अखिल भारत सर्वोदय मंडल) वर्धा, सेवाग्राम, महाराष्ट्र के तत्वावधान में अगस्त क्रांति दिवस पर मणिपुर हिंसा, गाँधी मूल्यों तथा गाँधीवादी संस्थाओं पर हो रहे हमलों के विरुद्ध आयोजित अगस्त क्रांति सम्मेलन में हमारे मार्गदर्शक व ट्रस्टी वयोवृद्ध आदरणीय तपेश्वर भाई, सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी.अरविंद रेड्डी, सर्व सेवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महादेव विद्रोही, सर्वोदय समाज तथा सर्व सेवा संघ प्रकाशन के पूर्व संयोजक आदित्य पटनायक, सर्व सेवा संघ के महामंत्री डॉ.आनंद किशोर, सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आबा कांबले आदि वक्ताओं ने अपने ओजपूर्ण वक्तव्य से भारत ही नहीं, बल्कि विश्वशांति के लिए गाँधीजी के महत्वपूर्ण योगदान का वर्णन किया। महामंत्री डॉ आनंद किशोर ने सम्मेलन में उपस्थित साथियों का स्वागत किया। विषय प्रवेश कराते हुए प्रबंधक ट्रस्टी महादेव विद्रोही ने अगस्त क्रांति दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किस तरह वर्तमान सरकार गांधी, विनोबा, जेपी की विरासत को अवैध तरीके से 70 वर्षों बाद

रेलवे की भूमि घोषित करके प्रशासनिक दबंगई से कब्जा करने की कोशिश कर रही है। मणिपुर की घटना पर सम्मेलन की तरफ से निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया। सर्वोदय समाज व प्रकाशन के पूर्व संयोजक आदित्य पटनायक ने भी अपने विचार रखे।

सेवाग्राम आश्रम के अध्यक्ष आबा काम्बले ने अपने उद्गार में कहा कि मैंने कई बार संगठन में एकता के लिए उपवास किया, पर उन लोगों ने हमारा मजाक उड़ाया और मेरे द्वारा उठाये किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं की। अपने सम्बोधन में सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कहा कि हम गांधी, विनोबा, जेपी की विरासत को हर हाल में बचायेंगे। वक्ताओं ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे वर्तमान संकटपूर्ण हालात का गाँधीवादी तरीके से डटकर सामना करें तथा आपसी प्रेम और सौहार्द को बरकरार रखने में सहायक बनें। सम्मेलन में सरकार के इशारे पर वाराणसी जिला प्रशासन के नेतृत्व में उत्तर रेलवे द्वारा सर्व सेवा संघ परिसर के वाराणसी परिसर पर अवैध कब्जे की घटना पर रोष व चिंता व्यक्त की गई। सम्मेलन में सामूहिक रूप से संकल्प व्यक्त किया गया कि अपनी इस वैचारिक विरासत को हम वापस लेकर रहेंगे। उत्तर रेलवे और वाराणसी जिला प्रशासन ने विनोबा, डॉ राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री एवं बाबू जगजीवन राम जैसे महापुरुषों को कूटरचित दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाला बताया है। हम इसका जोरदार प्रतिकार करेंगे और साधना केंद्र का अपना परिसर वापस लेकर ही मानेंगे। सम्मेलन में मैनेजिंग ट्रस्टी महादेव विद्रोही, महामंत्री डॉ आंनद किशोर, आबा काम्बली, डॉ मुहम्मद आरिफ, विश्वनाथ आजाद, चंद्रभूषण, आरएस त्रिपाठी, अरुण भारतीय, धर्मेंद्र राजपूत, डॉ प्रमोद ताले और रामनाथ ठाकुर ने भाग लिया।आज की बैठक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात तथा आंध्र प्रदेश के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें पूर्व कुलपति तथा पूर्व सांसद वयोवृद्ध 95 वर्षीय डॉ रामजी सिंह ने अपना संदेशभेजा, महात्मा गांधी के सेवाग्राम आश्रम के अध्यक्ष आबा काम्बली, खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष और दिल्ली प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मीदास, बिहार के वरिष्ठ सर्वोदय कार्यकर्ता तथा सर्व सेवा संघ के पूर्व ट्रस्टी तपेश्वर भाई, पश्चिम बंगाल सर्वोदय मंडल के नारायण भाई, सर्वोदय समाज तथा सर्व सेवा संघ प्रकाशन के पूर्व संयोजक आदित्य पटनायक, हरियाणा सर्वोदय मंडल के उपाध्यक्ष सतीश मराठा, सर्व सेवा संघ के पूर्व मंत्री विजय भाई, सर्व सेवा संघ राजघाट परिसर के पूर्व संयोजक शिव विजय सिंह, गुजरात के सरल मोरी, राजस्थान सर्वोदय मंडल के राजेंद्र कुंभज, मध्य प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष अरुण भारतीय, द किशोर, सेवाग्राम आश्रम के पूर्व मंत्री आचार्य विनोद स्वरूप आदि प्रमुख हैं। सम्मेलन में विभिन्न सर्वोदय बुकस्टालों के संचालकों ने भी हिस्सा लिया।

संक्षिप्त खबरें

मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंगा अभियान का शुभारम्भ

प्रखर जौनपुर। "आजादी का अमृत महोत्सव" समारोह के अंतर्गत "मेरी माटी मेरा देश" व "हर घर तिरंगा" अभियान का आयोजन संपूर्ण देश में उत्सवी ढंग से 9 अगस्त से लेकर 30 अगस्त तक किया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में तैनात समस्त पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को अमृत काल के पंचप्रण की शपथ दिलाई गई। इसी के साथ पुलिस लाइन जौनपुर व जनपद के समस्त पुलिस कार्यालयों,थानों,चौकियों पर नियुक्त पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा अमृत काल के पंचप्रण की शपथ ली गई। अमृत काल के पंचप्रण विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति , अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों में कर्तव्य की भावना।

तमंचा व कारतूस संग अभियुक्त चढ़ा खानपुर पुलिस के रडार पर, गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सैदपुर के मार्गदर्शन में बुधवार को थाना खानपुर पुलिस द्वारा चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वाहन व तलाश वाँछित, वारण्टी व देखभाल क्षेत्र में मामूर होकर चिलौना कला पुलिया बहदग्राम चिलौना कला से समय करीब 06.15 बजे अभियुक्त सागर खरवार पुत्र रामसजीवन खरवार निवासी ग्राम गनीपुर डगरहा थाना मेहनाजपुर जनपद आजमगढ़ अथक परिश्रम करके गिरफ्तार किया गया तथा उसके कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर व 01 अदद कारतूस जिन्दा 315 बोर नाजायज बरामद किया गया जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का में उप निरीक्षक बलवन्ता थाना खानपुर, कांस्टेबल शिवकुमार पटेल थाना खानपुर, कांस्टेबल धर्मेन्द्र पटेल थाना खानपुर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

भाजपा आईटी सेल और सोशल मीडिया की बैठक संपन्न, 27 अगस्त को लगेगी कार्यशाला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी आइटी और सोशल मीडिया विभाग की संयुक्त बैठक आज जिला भाजपा कार्यालय पर हुआ। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने बैठक को संबोधित करते कहा कि आईटी और सोशल मीडिया के कार्यकर्ता पार्टी के महत्वपूर्ण अंग है। उनके सहयोग से ही पार्टी अपने तकनीकी कार्यों को मजबूती से संपादित कर रही है। इसी का परिणाम है कि बीते कार्यक्रमों में संगठन की दृष्टि से जिले का प्रदर्शन काफी बढ़िया रहा है। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं को बीतें कार्यक्रमों में सफलता के लिए आभार प्रकट करते आगामी कार्यक्रमों से अवगत कराते उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर बल दिया। इस अवसर पर सोशल मीडिया विभाग के जिला संयोजक कार्तिक गुप्ता ने कार्यक्रमों की चर्चा करते बताया कि प्रदेश नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव के दृष्टि से नई टीम की सरंचना तैयार करने का आदेश दिया है। जिसमें जिला, लोकसभा, विधानसभा और मंडल तक की नई कार्यकारणी गठन करने का निर्देश प्राप्त हुआ हैं। उन्होंने बताया की 27 अगस्त को प्रदेश की कार्यशाला आयोजित होगी। जिसके पश्चात 28 से 15 सितंबर के मध्य जिलें में भी कार्यशाला का आयोजन कर आईटी और सोशल मीडिया के कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने विधानसभा संयोजकों को सितंबर माह में वाराणसी में होने वाले सोशल मीडिया वालेंटियर्स सम्मेलन के तैयारियों के निमित्त भी करणीय कार्यों से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, लोकसभा विस्तारक रवि शुक्ला, आईटी विभाग के जिला संयोजक आलोक शर्मा, दीपक सिंह, सनी चौरसिया, प्रदीप सिंह, रिपुंजय गुप्त, शिवम मद्धेशिया, संतोष भारद्वाज, आनंद मोहन पांडेय, रोहित त्रिपाठी, अमित तिवारी, अमित चौरसिया, अंकित राय, रामप्यारे विश्वकर्मा सहित आदि अन्य लोग उपस्थित रहें।

स्वतंत्रता सेनानियों के गांव पहुच कर डीएम व सीडीओ ने किया नमन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के करखियाव में रहे 24 स्वतंत्रता सेनानी के शिलापट्ट पर डीएम और सीडीओ ने पुष्प अर्पित कर नमन किया और मेरी माटी मेरा देश अभियान की शुरूआत की। जिले के किसी भी गांव में इतने स्वतंत्रता सेनानी नही है। 9 अगस्त 1942 को इस गांव के दर्जनों ने रेल पटरी को उखाड़ने के साथ फूलपुर थाने पर ब्रिटिश झंडे की जगह अपना झंडा फहराया था। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने के लिए डीएम व सीडीओ समेत अनेक अधिकारी व सम्भ्रांत ग्रामीण उपस्थित रहे। सुबह 11 बजे शुरू हुए कार्यक्रम के स्वतंत्रता सेनानियों के शिलापट्ट पर पुष्प अर्पित करने के बाद उनके परिजनों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर डीएम व सीडीओ द्वारा सम्मानित किया गया। 75 वें आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पंच प्रण लेते हुए देश की संस्कृति, समृद्धि , विकास और सम्मान के साथ रक्षा करने का शपथ लिया। इस दौरान एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, विधायक प्रतिनिधि पवन सिंह, बीडीओ छोटेलाल तिवारी, एडीओ पंचायत अशोक चौबे, ग्राम प्रधान शशिकपूर, सचिव रामानंद यादव, पूर्व ग्राम प्रधान विक्रमादित्य सिंह, आनंद मिश्रा, आलोक सिंह, धनंजय सिंह, नागेंद्र सिंह समेत दर्जनों गणमान्य लोग रहे। वही कथौली में शहीद जवान भवन दिवाकर गिरी के नाम से बने स्मृति द्वार पर लोग एकत्र हुए और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद कर नमन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने शपथ ली कि गुलामी की मानसिकता के मुक्ति लिए हर सम्भव प्रयास करूंगा। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन ग्राम प्रधान पप्पू गिरी ने किया।

संक्षिप्त खबरें

रूस ने किया 22 यूक्रेनी युद्धबंदियों को रिहा

कीव। रूसी अधिकारियों ने युद्ध बंदी के रूप में रखे गए 22 यूक्रेनी सैनिकों को रिहा कर दिया है। कीव के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। टेलीग्राम पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने सोमवार को कहा, आज 22 और यूक्रेनी सैनिक कैद से घर लौट आए। इनमें यूक्रेनी सशस्त्र बल के दो अधिकारी, निजी और गैर-कमीशन अधिकारी शामिल हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, रिहा किए जाने वालों में सबसे अधिक आयु का सैनिक 54 साल का है और सबसे छोटा 23 साल का है। उन्होंने कहा, मुक्त किए गए प्रत्येक सैनिक को शारीरिक और मनोवैज्ञानिक पुनर्वास, पुनःएकीकरण से गुजरना होगा व चिकित्सा विशेषज्ञों के सहयोग से आवश्यक उपचार प्रदान किया जाएगा।

भीषण गर्मी से अमेरिका में 147 लोगों की मौत

वाशिंगटन। देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी के कारण इस महीने अमेरिका के एरिजोना, नेवादा और टेक्सास राज्यों में 147 लोगों की मौत हो गई। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, भीषण गमी से ये तीन राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। एरिज़ोना के पिमा और मैरिकोपा काउंटियों में क्रमशः 64 और 39 मौतें हुई जबकि 26 मौतें क्लार्क काउंटी, नेवादा में हुईं और टेक्सास के वेब व हैरिस काउंटी में क्रमशः 11 और सात लोगों की मौत हुई। कैलिफ़ोर्निया, दक्षिण के कुछ हिस्सों और मध्यपश्चिम में भी गर्मी से संबंधित कई मौतें दर्ज की गई। मैरिकोपा काउंटी में आधिकारिक तौर पर गर्मी से संबंधित कम से कम 39 मौतें दर्ज की गईं और 312 और मौतों की जांच चल रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार जून के अंत में तापमान रिकॉर्ड-तोड़ स्तर तक बढ़ गया और जुलाई के दौरान दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम के अधिकांश हिस्सों में तापमान बढता रहा। जून से जुलाई तक लगातार 31 दिन 43 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान के साथ फीनिक्स किसी भी अमेरिकी शहर का सबसे गर्म महीना रहा।

भारत के साथ अमेरिका उठाएगा मानवाधिकार का मुद्दा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की अगले महीने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करने के मद्देनजर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका पहले भी नियमित रूप से भारत के समक्ष मानवाधिकारों का मुद्दा उठाता रहा है और भविष्य में भी उठाएगा। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, 'हम उन देशों के साथ नियमित रूप से मानवाधिकार संबंधी चिंताओं को उठाते हैं जिनके साथ हम काम करते हैं, हमने पहले भी भारत के समक्ष इन चिंताओं को उठाया है और हम भविष्य में भी यह करेंगे।' मिलर उस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या राष्ट्रपति बाइडन भारत की अपनी आगामी यात्रा में उससे ईसाइयों के कथित उत्पीड़न के संबंध में सवाल करेंगे। प्रवक्ता ने कहा, हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम ईसाइयों के उत्पीड़न का विरोध करते हैं और हम किसी भी धार्मिक समूह के उत्पीड़न का विरोध करते हैं, भले ही यह दुनिया के किसी भी हिस्से में हो।

यूक्रेन में रूस समर्थित पादरी को युद्ध का समर्थन करने पर जेल

■ **कीव (आईएएनएस)।**

यूक्रेन में रूस समर्थित चर्च के पादरी को युद्ध का समर्थन करने के लिए पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रावदा के मुताबिक सोमवार को एक बयान में, यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसएसयू) ने कहा कि विन्नित्सिया क्षेत्र में मॉस्को पैट्रिआर्केट के यूक्रेनी ऑर्थोडॉक्स चर्च के तुलचिन डायोसीज़ के प्रमुख मेट्रोपॉलिटन इओनाफ़ान को विशेष सेवाओं, उक्रेन्स्का द्वारा प्रस्तुत सबूतों के आधार पर सजा सुनाई गई थी।

सबूतों से पता चला है कि पादरी ने चर्च जाने वालों के बीच क्रेमलिन समर्थक प्रचार पत्रक और साहित्य वितरित किया था, इसमें उसने सत्ता की जब्ती और यूक्रेन की राज्य सीमा में बदलाव का आह्वान किया था। इसमें कहा गया है कि रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च की एक वेबसाइट पर इओनाफ़ान ने रूसी आक्रमण और युद्ध अपराधों के समर्थन में भी सामग्री पोस्ट की। इस बीच, यूक्रेनी अभियोजक जनरल के कार्यालय ने सोमवार को कहा कि उन्हें क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने, हिंसक परिवर्तन या संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से की गई कार्रवाइयों, नागरिकों की समानता का उल्लंघन और यूक्रेन के ख़िलाफ़ रूस की सशस्त्र आक्रामकता का समर्थन करने का दोषी पाया गया। गौरतलब है कि यूक्रेनी ऑर्थोडॉक्स चर्च परंपरागत रूप से रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रति वफादार रहा है, इसके नेता पैट्रिआर्क किरिल ने यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण का खुले तौर पर समर्थन किया है।

लाल किले पर मोदी का संबोधन सुनेंगे अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिकी सांसदों का एक द्विदलीय समूह भारत की यात्रा करने वाला है और ये सांसद 15 अगस्त को लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के गवाह बनेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना एवं सांसद माइकल वाल्ट्ज सांसदों के इस द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। दोनों सांसद भारत और भारतीय अमेरिकी पर द्विदलीय कांग्रेशनल कॉकस के सह अध्यक्ष हैं। खन्ना ने कहा, भारत जाने वाले द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना और देश के स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए वहां उपस्थित होना सम्मान की बात है। मेरे नाना ने अपना जीवन भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ते हुए बिताया, इसलिए यह मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर और भी सार्थक यात्रा होने वाली है। यह भारत-अमेरिका संबंध के लिए ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कैबिनेट मंत्रियों एवं अन्य कई सांसदों से मिलने वाला हूं। इसके अलावा कारोबार, प्रौद्योगिकी, क्रिकेट और हिंदी फिल्म उद्योग की शख्सियतों से भी मिलने की मेरी योजना है।

उन्होंने कहा, इस यात्रा से दोनों देशों के बीच समन्वय और साझेदारी गहरी होगी और हम कार्बन उत्सर्जन कम करने, डिजिटलीकरण, आर्थिक साझेदारी, रक्षा संबंध और बहुलवाद एवं मानवाधिकार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत करेंगे। सांसद लाल किला भी जाएंगे जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस

अमेरिकी सांसदों का दो दलीय समूह भारत की यात्रा करने वाला है

के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि अमेरिकी सांसद मुंबई, हैदराबाद और नयी दिल्ली में कारोबार, प्रौद्योगिकी, सरकार और हिंदी फिल्म उद्योग की शख्सियतों से मुलाकात करेंगे। वे नई दिल्ली में महात्मा गांधी को समर्पित ऐतिहासिक स्थल राजघाट भी जाएंगे। खन्ना और वाल्ट्ज के साथ सांसद डेबोरा रॉस, कैट कैमैक, थानेदार और जैस्मीन क्रॉकेट के साथ रिच मैक्कॉर्मिक और एड केस भी शामिल होंगे। जारी बयान में कहा गया है, खन्ना के नाना अमरनाथ विद्यालंकार एक स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने महात्मा गांधी के साथ जेल में चार साल बिताए और बाद में वह भारत की पहली संसद का हिस्सा बने। खन्ना ने कहा, भारत और भारतीय अमेरिकियों पर कांग्रेशनल कॉकस के सहअध्यक्ष के तौर पर हमें गर्व है कि हम भारत के लिए द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले हैं। हम वहां इस बात पर चर्चा करेंगे कि सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र रहे दोनों देशों के बीच आर्थिक और रक्षा संबंधों को कैसे मजबूत किया जाए।

खन्ना ने कहा, वाल्ट्ज और मेरा मानना है कि अमेरिका-भारत संबंध 21वीं सदी को परिभाषित करने वाले होंगे। भारत एशिया में बहुध्रुवीयता को सुनिश्चित करने और चीन की प्रभुता को कम करने में एक प्रमुख भागीदार है। उन्होंने कहा, हमें लोकतंत्र, प्रेस और लोगों की स्वतंत्रता एवं मानवाधिकारों के हमारे साझा संस्थापक मूल्यों पर आधारित अपनी साझेदारी को मजबूत करने का प्रयास जारी रखना चाहिए। यह प्रतिनिधिमंडल सहयोग एवं साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने का एक ऐतिहासिक अवसर है।

इस्राइल ने फिलिस्तीनी हमलावर का घर ढहाया

यरूशलम (आईएएनएस)। इस्राइली सेना ने मंगलवार को उस फिलिस्तीनी हमलावर के घर को ध्वस्त कर दिया, जिसने फरवरी में वेस्ट बैंक में दो इस्राइली भाइयों की हत्या कर दी थी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 49 वर्षीय अब्द अल-फतह खरौशा ने 26 फरवरी को फिलिस्तीनी शहर हवारा के पास गोलीबारी की थी, जिसमें इस्राइली बस्ती हर ब्राचा के 21 वर्षीय हलेल यानिव और 19 वर्षीय यागेल यानिव की मौत हो गई। इससे पहले दिन में, सेना ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें सैनिकों को नब्लस शहर के असकर के घनी आबादी वाले क्षेत्र में तीन मंजिला इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित संदिग्ध बंदूकधारी के घर में विस्फोट करते हुए देखा गया। सेना ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान झड़पें हुईं, स्थानीय फिलिस्तीनियों ने सैनिकों पर पत्थर और विस्फोटक फेंके। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने बताया कि इस्राइली सैनिकों ने जिंदा गोलियां और रबर-कोटेड गोलियां चलाईं, जिससे कम से कम छह लोग घायल हो गए। गैस से दम घुटने के कारण अन्य 185 लोगों का रेड क्रिसेंट द्वारा इलाज किया गया। 7 मार्च को जेनिन शरणार्थी शिविर में एक इस्राइली ऑपरेशन के दौरान इस्राइली सैनिकों ने खरूशा की हत्या कर दी थी। अपार्टमेंट में उनके परिवार के छह सदस्य रहते थे। 1967 के मध्य पूर्व युद्ध में इस्राइल ने पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी के साथ-साथ वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया और अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बावजूद इन क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखा है। फ़िलिस्तीनी इन क्षेत्रों पर अपना भावी राज्य स्थापित करना चाहते हैं।

वेस्ट बैंक में दो इस्राइली भाइयों की कर दी थी हत्या

बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाए भारत : पाक

इस्लामाबाद (आईएएनएस)। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा बातचीत के लिए आतंक और शत्रुता मुक्त माहौल बनाने में विफल रहने के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने के जवाब में इस्लामाबाद ने अब क्षेत्र में बातचीत और शांति के लिए अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी नई दिल्ली पर डाल दी है।

पाकिस्तान विदेश कार्यालय (एफओ) के प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने कहा कि ऐसे माहौल में पाकिस्तान और भारत के बीच बातचीत महत्वपूर्ण थी, जो जोर-जबरदस्ती और जुझारूपन से मुक्त हो जैसा कि भारत इस क्षेत्र में प्रदर्शित करना जारी रखता है। एफओ का बयान प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के भाषण पर भारतीय मंत्रालय की हालिया टिप्पणियों के जवाब में आया है, इसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान अपने पड़ोसी से बात करने के लिए तैयार है, बशर्ते कि पड़ोसी गंभीर मुद्दों पर बात करने के लिए गंभीर हो, क्योंकि युद्ध विकल्प नहीं है। मुमताज बलूच ने कहा, पाकिस्तान एक शांतिपूर्ण पड़ोस में विश्वास करता है और अपने सभी पड़ोसियों के साथ आपसी और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप शांति चाहता है। प्रधानमंत्री की टिप्पणियां इस स्थिति की पुष्टि करती हैं। हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान और भारत के बीच ऐसे माहौल में बातचीत महत्वपूर्ण है, जो जोर-जबरदस्ती और जुझारूपन से मुक्त हो, जैसा कि भारत इस क्षेत्र में प्रदर्शित करता रहता है। हमारा मानना है कि शांति और बातचीत का माहौल बनाने की गेंद भारत के पाले में है। पाकिस्तान और भारत शांति वार्ता के लिए आवश्यकताओं और शर्तों को पूरा करने में विफल रहने के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में लगे हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों पक्षों ने अतीत में अपना-अपना राजनीतिक लाभ हासिल किया है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखना चाहते हैं। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक जावेद सिद्दीकी ने कहा, चाहे वह भारत हो या पाकिस्तान, दोनों पक्षों और उनकी संबंधित सरकारों ने अतीत में अपने समर्थकों और वोटों के सामने अपनी राजनीतिक स्थिति में बड़ा लाभ हासिल किया है। दोनों देशों के बीच नफरत ने शांति की किसी भी आशा और इच्छा या दोनों पक्षों द्वारा विचारशील निर्णय के माध्यम से की गई किसी भी समान पहल पर हावी हो गई है।

कहा, पाकिस्तान एक शांतिपूर्ण पड़ोस में विश्वास करता है

पाक : ट्रेन हादसे की वजह फिश प्लेट न होना व क्षतिग्रस्त पटरी

कराची (भाषा)। पाकिस्तान में रविवार को करीब 43 लोगों को मौत की नींद सुला देने वाले ट्रेन हादसे की वजह फिश प्लेट न होना और एक पटरी का क्षतिग्रस्त होना था जिसके कारण एक एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गयी थी।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हुई इस ट्रेन दुर्घटना की जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट आ गयी है। अधिकारियों ने इस हादसे के पीछे किसी तरह की तोड़फोड़ होने की आशंका से इनकार नहीं किया है। कराची से रावलपिंडी जा रही हजारा एक्सप्रेस रविवार को कराची से 275 किलोमीटर दूर नवाबशाह जिले में सरहरी रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गयी थी। 'डॉन' अखबार ने मंगलवार को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के हवाले से बताया कि फिश प्लेट न होने और रेल की पटरी के क्षतिग्रस्त होने के कारण हजारा एक्सप्रेस पटरी से उतरी। पाकिस्तान रेलवे के छह सदस्यीय जांच दल ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा, सभी पहलुओं से जांच करने के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि यह दुर्घटना पटरी के टूटने और फिश प्लेट न होने के कारण हुई। जांच दल ने ट्रेन के पटरी से उतरने के पीछे उसके इंजन के फिसलने की वजह भी बतायी है। रेलवे के कुछ अधिकारी हादसे में तोड़फोड़ की आशंका से भी इनकार नहीं कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्घटनास्थल से थोड़ा हटकर लोहे की फिश प्लेट और लकड़ी के टर्मिनल पर 'कोई चीज मारे जाने के मामूली निशान' मिले हैं।

यूक्रेन के शहर पर रूस ने किया मिसाइल हमला, 7 की मौत

■ **कीव (एपी)।**

पूर्वी यूक्रेन के एक शहर पर रूसी मिसाइलों के हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है और 81 अन्य घायल हुए हैं। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी तथा क्रेमलिन के सैन्यबलों पर बचावकर्मियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम को दोनेत्स्क क्षेत्र के पूर्वी भाग में पोकरोव्स्क शहर पर दो रूसी मिसाइल दागी गयीं जिसकी चपेट में कई अपार्टमेंट एवं अन्य इमारतें आयीं। दोनेत्स्क के गवर्नर पावलो किरिलेंको ने बताया कि इस हमले में पांच आम नागरिक, एक बचावकर्मी और एक सैन्यकर्मी की जान चली गयी जबकि दो बच्चों समेत 39 आम नागरिक, 31 पुलिस अधिकारी, सात आपात कर्मी एवं चार सैनिक घायल हो गये। किरिलेंको ने बताया कि ये हमले 40-40 मिनट के अंतराल पर हुए। उन्होंने कहा कि हमले में 12 बहुमंजिला इमारतें, एक होटल, एक दवा दुकान, दो स्टोर और दो कैफे को नुकसान पहुंचा।

हमले में 12 बहुमंजिला इमारतों को पहुंचा नुकसान

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस पर पूर्वी यूक्रेन में 'तबाही' मचाने का आरोप लगाया। युद्ध में रूसी मिसाइलों, ड्रोन और तोप से बार-बार नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया गया है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन का कहना है कि उसकी सेनाएं केवल सैन्य संपत्ति को निशाना बनाती हैं। क्रेमलिन ने दावा किया कि अन्य क्षति यूक्रेनी वायु रक्षा हथियारों के कारण हुई है। किसी भी पक्ष के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती। गवर्नर ओलेह सिनिहुबोव ने कहा कि खारकीव क्षेत्र में क्रुहलियाकिव्का शहर पर देर रात हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूस ने कुपियान्स्क के समीप एक गांव में चार बम गिराए जिससे दो नागिरकों की जान चली गई। इस दौरान आग लगने से दो बचावकर्मी भी घायल हो गए।

'न्यूजक्लिक' के जरिए विपक्ष को घेरा भाजपा ने

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने मीडिया पोर्टल 'न्यूजक्लिक' के खिलाफ 2021 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई की विपक्षी दलों द्वारा की गई आलोचना का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि हो सकता है कि उन्होंने भारत की सुरक्षा और एकता को निशाना बनाने के लिए चीन के इशारे पर एक नया गठबंधन बनाया हो।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी द्वारा राज्यसभा में यह मुद्दा उठाए जाने के बाद भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि न्यूज़क्लिक को चीनी फंडिंग संबंधी न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट ने उनकी पोल खोल दी है। गोयल ने कहा कि समाचार पोर्टल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के बाद विपक्ष ने सरकार पर मीडिया को दबाने का आरोप लगाया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच में दावा किया गया है कि दुनिया भर में लोगों को प्रभावित करने वाले अभियानों के पीछे एक अमीर अमेरिकी व्यापारी-कार्यकर्ता चीन से धन प्राप्त कर रहा है और विभिन्न कारणों की आड़ में चीनी दुष्प्रचार को आगे बढ़ा रहा है। इनमें जिनके नाम हैं उनमें 'न्यूजक्लिक' भी शामिल है।

गोयल ने कहा कि अमेरिकी दैनिक की रिपोर्ट से 'घमंडिया' गठबंधन के नेताओं का पर्दाफाश हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों द्वारा गठित 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' पर निशाना साधने के लिए 'घमंडिया' शब्द का इस्तेमाल किया है। गोयल ने आरोप लगाया कि ऐसा सोचा जाता था कि केवल वाम दल ही रूस और चीन के निर्देशों का पालन करते हैं लेकिन फिर यह देखा गया कि कांग्रेस के युवा नेता को भी चीन निर्देशित करता है क्योंकि पार्टी ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

राज्यसभा में सदन के नेता ने संवाददाताओं से कहा कि 'न्यूजक्लिक' मुद्दा बहुत गंभीर है और यह उन लोगों के बारे में गंभीर सवाल उठाता है जो लोकतंत्र और स्वतंत्र प्रेस के बारे में बोलने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और वाम दलों सहित अन्य दलों के नेताओं ने धनशोधन के आरोपों पर समाचार पोर्टल के खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाई को मीडिया को दबाने और वश में करने की सरकार की कोशिश के तौर पर पेश किया था। ईडी ने फरवरी 2021 में पोर्टल के परिसरों पर छापा मारा था क्योंकि एजेंसी ने धनशोधन में इसकी कथित संलिप्तता की जांच शुरू की थी। गोयल ने कहा कि अब यह सामने आया है कि मीडिया की आड़ में न्यूजक्लिक ने भारतीय सुरक्षा को निशाना बनाया और यह दुष्प्रचार से लोगों को गुमराह करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा था।

लगाया चीन से संबंधों का आरोप

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल कृषि भवन नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए। सीएम ने उन्हें राज्य में किसानों की भलाई के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे मोदी

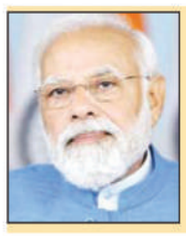

दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री ने की पुष्टि

जोहान्सबर्ग (भाषा)। दक्षिण अफ्रीका सरकार ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 अगस्त से यहां होने वाले अगले 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका सरकार ने उन 'अफवाहों' को खारिज कर दिया, जिनमें मोदी के पांच देशों के समूह की बैठक में हिस्सा नहीं लेने की बात कही गई थी।

दुनिया के पांच सबसे बड़े विकासशील देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स में शामिल हैं। ये सभी देश 41 फीसदी वैश्विक आबादी, 24 फीसदी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद और 16 फीसदी वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। दक्षिण अफ्रीका की अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री नालेदी पंडोर ने शिखर सम्मेलन के 15वें संस्करण के लिए देश की तैयारियों की जानकारी देते हुए सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि ब्राजील, चीन, भारत और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के नेता चर्चाओं में भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के वारंट के कारण रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन वीडियो कांफ्रेंस के जरिए भाग लेंगे। पंडोर ने प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति की पुष्टि करते हुए कहा, मैंने सरकार के विभिन्न सहयोगियों से बात की और हर कोई इस अफवाह से चकित है। मुझे लगता है कि कोई हमारे शिखर सम्मेलन में बाधा पैदा करने की कोशिश कर रहा है और वही इस तरह की अफवाहों को हवा दे रहा है।

पंडोर ने यह भी कहा, भारत के प्रधानमंत्री ने कभी नहीं कहा कि वह शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। मैं विदेश मंत्री एस जयशंकर के लगातार संपर्क में हूं। उन्होंने भी कभी ऐसा नहीं कहा। विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते नई दिल्ली में कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जोहानिसबर्ग जाएंगे। मंत्रालय ने बताया था कि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने 22-24 अगस्त 2023 को दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया और उन्हें इसकी तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद तीन अगस्त को विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। मंत्रालय ने कहा था कि मोदी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जोहानिसबर्ग की अपनी यात्रा के लिए उत्सुक हैं। पंडोर से सवाल पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति रामाफोसा के फोन कॉल के बाद प्रधानमंत्री मोदी आने के लिए सहमत हुए। इस पर उन्होंने कहा कि मोदी को कई मामलों की जानकारी देने के लिए रामफोसा द्वारा उन्हें फोन करना पहले से ही तय था।

विशेषज्ञों का बोन ट्यूमर की सही जांच व इलाज पर जोर

नई दिल्ली। प्रायः सारकोमा यानी बोन ट्यूमर के मामले बहुत कम होते है। इसी कारण से कई बार ऐसे मामलों में सही जांच और सही इलाज नहीं मिल पाता है, जो अंततः मरीज के लिए घातक सिद्ध होता है। सारकोमा अस्थियों और नरम ऊतकों (सॉफ्ट टिश्यू) का कैंसर होता है। गलत जांच और अनुचित इलाज के कारण बोन ट्यूमर के मामलों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की चुनौतियों को लेकर राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट (आरजीसीआई) ने पहली ओआरपी बैठक का आयोजन किया। यह आयोजन इंडियन मसकुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसायटी, दिल्ली मसकुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी ग्रुप और सारकोमा एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। ओआरपी बैठक का आयोजन सामान्य ऑर्थोपेडिक सर्जन एवं चिकित्सकों के बीच बोन ट्यूमर को सही तरह समझने, इसकी जांच और इलाज के उपलब्ध तरीकों, इससे जुड़ी सामान्य समस्याओं और उनके समाधान के बारे में जागरूकता लाने के लिए किया गया।

आरजीसीआई के कंसल्टेंट एवं ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी हेड और ओआरपी मीट के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. हिमांशु रोहेला ने कहा, 'दुर्भाग्य से हाथ-पैरों में सारकोमा ट्यूमर की अक्सर जांच नहीं हो पाती है या फिर गलत तरह से सर्जरी कर दी जाती है।

इमरान को मक्खियों, खटमल से भरी कोठरी में रखा

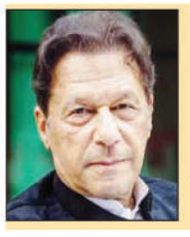

एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है दावा

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराए जाने और गिरफ्तार करने के बाद उच्च सुरक्षा वाली अटक जेल की जिस कोठरी में रखा गया है वह मक्खियों और खटमल से भरी हुई है तथा उसमें शौचालय भी खुले में बनाया हुआ है।

खान (70) के अटॉर्नी जनरल नईम हैदर पंजोठा ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष को पंजाब प्रांत में स्थित जेल में सी-श्रेणी की सुविधाएं दी गयी हैं। उन्होंने बताया कि देश की विश्व कप विजेता क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को जेल की जिस कोठरी में रखा गया है वहां मक्खियां तथा खटमल भरे पड़े हैं। पंजोठा ने सोमवार को खान से जेल में मुलाकात करने के बाद कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री छोटे-से कमरे में बंद हैं 'जिसमें खुले में शौचालय बना हुआ है।' 'जियो न्यूज' ने वकील के हवाले से कहा, पीटीआई अध्यक्ष ने कहा है कि वह अपनी पूरी जिंदगी जेल में बिताने के लिए तैयार हैं।

पंजोठा ने कहा कि खान ने उन्हें बताया है कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखाया और पुलिस ने लाहौर में उनके घर में उनकी पत्नी के कमरे का दरवाजा तोड़ने की कोशिश भी की थी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री की दोषसिद्धि के खिलाफ अपील दायर करने के लिए कानूनी दस्तावेज पर उनके दस्तखत कराने के लिए जेल के एक अधिकारी की मौजूदगी में खान से करीब एक घंटे 45 मिनट तक मुलाकात की। वकील ने मीडिया से कहा कि खान ने बताया है कि उन्हें एक अंधेरे कमरे में रखा गया है जहां खुले में शौचालय बना है और वहां दिन में मक्खियां मंडराती रहती हैं और रात में चीटियां आती हैं। पंजोठा ने खान के हवाले से कहा, मुझे अंधेरे कमरे में रखा गया है जिसमें कोई टेलीविजन या अखबार नहीं है। किसी को मुझसे मिलने नहीं दिया जाता है, जैसे कि मैं कोई आतंकवादी हूं। इमरान खान को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में इस्लामाबाद की एक निचली अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के तुरंत बाद शनिवार को लाहौर में उनके घर से गिरफ्तार किया गया था। उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनायी गयी है। उन्हें अदालत द्वारा रावलपिंडी की अदियाला जेल में भेजे जाने का निर्देश दिए जाने के बावजूद पंजाब प्रांत की अटक जेल में रखा गया है।

संक्षिप्त खबरें

स्टार हेल्थ का करार

चेन्नई। निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य बीमा कंपनी स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के साथ एक 'रणनीतिक कारपोरेट गठबंधन' पर हस्ताक्षर किए हैं। इस गठजोड़ के तहत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के ग्राहकों को स्टार हेल्थ इश्योरेंस के बीमा उत्पादों की पेशकश की जाएगी। यह साझेदारी देश भर के 42 शहरों में मौजूद निजी बैंक की 100 शाखाओं में प्रभावी होगी। स्टार हेल्थ इंश्योरेंस ने एक बयान में कहा, 'इस सहयोग के तहत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक पूरे भारत में अपने व्यापक शाखा नेटवर्क के जरिए स्टार हेल्थ के बीमा उत्पादों की पेशकश करेगा।'

अडाणी का लाभ 80% बढ़ा

नई दिल्ली। अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 80 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2,119.38 करोड़ रुपए रहा। मुख्य रूप से आमदनी बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि बीते वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में कंपनी को 1,177.46 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। अडाणी पोर्ट्स की कुल आय जून, 2023 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 6,631.23 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 5,526.19 करोड़ रुपए थी।

मोबिक्विक को पहला मुनाफा

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी मोबिक्विक ने जून में समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में तीन करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। यह पहला मौका है जब कंपनी ने किसी तिमाही में एकीकृत मुनाफा कमाया है। मोबिक्विक की सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) उपासना टाकू ने कहा कि मोबिक्विक पहली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी है जिसने एकीकृत मुनाफा कमाया है। कंपनी को यह रफ्तार पूरे साल के दौरान जारी रहने की उम्मीद है। टाकू ने उम्मीद जताई कि जल्द अन्य स्टार्टअप कंपनियां भी मुनाफे में आएंगी।

1300 ई बसें चलेंगी

हैदराबाद। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) पर्यावरण और यात्रियों की सुविधा के लिए हैदराबाद शहर में 1300 इलेक्ट्रिक बसें चलाएगी। एक बयान में टीएसआरटीसी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण को कम करने को प्राथमिकता, जनता के लिए एक बेहतर और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत यथा शीघ्र शहर में 25 इलेक्ट्रिक वातानुकूलित बसें चलायी जाएंगी। टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर ने व्यक्तिगत रूप से हैदराबाद के बस भवन परिसर में नई इलेक्ट्रिक वातानुकूलित बस के प्रोटोटाइप का निरीक्षण किया।

टाटा केमिकल्स का लाभ घटा

मुंबई। टाटा समूह की कंपनी टाटा केमिकल्स ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 9.67 प्रतिशत घटकर 532 करोड़ रुपए रह गया। टाटा केमिकल्स ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 589 करोड़ रुपए था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 5.58 प्रतिशत बढ़कर 4,218 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 3,995 करोड़ रुपए थी। टाटा केमिकल्स के एमडी एवं सीईओ आर मुकुंदन ने कहा, 'चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा।(एजेंसी)

3 लाख भारतीय सैलानी करेंगे न्यूयार्क की सैर

■ न्यूयार्क सिटी टूरिज्म एंड कन्वेंशन की कार्यकारी उपाध्यक्ष टिफनी ने जताई उम्मीद

मुंबई (भाषा)। न्यूयार्क शहर को इस साल भारत से 3.06 लाख यात्रियों की मेजबानी करने की उम्मीद है। न्यूयार्क सिटी टूरिज्म एंड कन्वेंशन की कार्यकारी उपाध्यक्ष (वैश्विक संचार) टिफनी टाउनसेंड ने कहा कि शहर में आर्थिक सुधार हो रहा है, जिसे पर्यटकों की आवक से मदद मिली है।

उन्होंने ईमेल से बातचीत में बताया, 'पर्यटकों की वापसी से न्यूयार्क शहर के आर्थिक सुधार में मदद मिली है। इस क्षेत्र में लगभग 3.40 लाख लोगों को रोजगार मिला है। यात्रियों ने 2022 में सीधे 40 अरब डालर से अधिक खर्च किए और उसके आगमन का कुल आर्थिक प्रभाव लगभग 60 अरब डालर का रहा।'

उन्होंने बताया, 'न्यूयार्क सिटी को इस साल 1.14 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की मेजबानी करने की उम्मीद है, जिसमें भारत के 306,000 यात्री शामिल हैं।' वर्ष 2019 में न्यूयार्क सिटी में कुल 6.66 करोड़ यात्री आए थे। इसमें 1.35 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्री और 3.36 लाख भारतीय यात्री शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा न्यूयार्क सिटी के लिए एक महत्वपूर्ण यात्रा बाजार रहा है।

चीन के निर्यात में दर्ज की गई बड़ी गिरावट

पेइचिंग (एपी)।

जुलाई के महीने में चीन के निर्यात में बड़ी गिरावट देखी गई। इस दौरान चीन का निर्यात सालाना आधार पर 14.5 प्रतिशत तक गिर गया। इसके साथ ही सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी पर आर्थिक मंदी को दूर करने का दबाव बढ़ गया है।

सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 281.8 अरब डालर रह गया। इससे पहले जून में निर्यात 12.4 प्रतिशत घटा था। कमजोर घरेलू मांग के चलते आयात सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत गिरकर 201.2 अरब अमेरिकी डालर रह गया।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू करेगी अकासा

■ कंपनी ने हासिल की इसकी पात्रता

मुंबई (भाषा)। अकासा एयर ने अपने परिचालन के पहले वर्ष में 20 विमानों के बेड़े के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ान भरने की पात्रता हासिल कर ली है। सोमवार को परिचालन का एक साल पूरा करने वाली एयरलाइंस ने बयान में कहा कि इस समय वह प्रति सप्ताह 900 से अधिक उड़ानों का संचालन कर रही है।

एयरलाइंस की स्थापना जेट एयरवेज के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे और अन्य लोगों ने की। इसने सात अगस्त, 2022 को मुंबई से अहमदाबाद के लिए अपनी पहली उड़ान के साथ परिचालन शुरू किया। एयरलाइन ने बयान में कहा कि अपने वाणिज्यिक परिचालन के पहले साल में अकासा एयर ने 4.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ 43 लाख यात्रियों को सेवाएं दीं।

गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लिए भी आ सकते हैं खुलासा नियम

■ इस योजना पर विचार कर रहा सेबी ■ अभी लिस्टेड कंपनियों के लिए हैं नियम

नई दिल्ली (भाषा)।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ऐसी गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लिए खुलासा जरूरतों को लागू करने पर विचार कर रहा है, जो किसी कारोबारी समूह का हिस्सा हैं। इस समय सूचीबद्ध कंपनियां व्यापक खुलासा जरूरतों के तहत आती हैं, जबकि गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लिए ये नियम समान रूप से लागू नहीं होते हैं।

सेबी ने 2022-23 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा, 'सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध इकाइयों के एक जटिल समूह की गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के चलते प्रतिभूति बाजार पारिस्थितिकी तंत्र में आने वाले जोखिमों की पहचान, निगरानी और प्रबंधन करने की जरूरत है।' इसके अलावा, सेबी समूह-स्तर पर लेनदेन की सूचना को बढ़ावा देकर समूह में अधिक पारदर्शिता लाने की योजना बना रहा है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह के भीतर पारस्परिक हिस्सेदारी और भौतिक वित्तीय लेनदेन के विवरण का खुलासा भी करने की जरूरत पर भी विचार किया जाएगा।

देश के शीर्ष कारोबारी समूहों में टाटा समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडाणी समूह, आदित्य बिड़ला समूह और बजाज समूह शामिल हैं, जिन पर इस फैसले का असर पड़ सकता है। नियामक वायदा-विकल्प खंड में शेयर पेश करने के लिए पात्रता मानदंड की समीक्षा करने की योजना भी बना रहा है।

विदेशी ग्राहकों को निवेश सलाह देने पर आईए नियमों के तहत पंजीकरण से छूट

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेश में रहने वाले ग्राहकों को निवेश सलाह देने वालों के लिए कुछ राहत दी है। सेबी के मुताबिक उन्हें निवेश सलाहकारों (आईए) को नियंत्रित करने वाले नियमों के तहत पंजीकरण से छूट दी गई है। सेबी ने मंगलवार को कहा कि हालांकि, यदि कोई प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) को निवेश सलाह देता है, तो वह आईए नियमों के दायरे में आएगा और उसे पंजीकरण की जरूरत होगी। बाजार नियामक ने निवेश सलाहकारों पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों के जवाब में यह बात कही। इसे सेबी की वेबसाइट पर मंगलवार को डाला गया है। इसके अलावा सेबी ने कहा कि पंजीकृत निवेश सलाहकार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को निवेश सलाहकार सेवाएं दे सकते हैं। निवेश सलाहकार शेयर, ऋणपत्र, बान्ड, वायदा-विकल्प, प्रतिभूतिकृत माध्यम, एआईएफ (वैकल्पिक निवेश कोष), आरईआईटी (रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट) और इनविट (बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट) आदि में निवेश की सलाह देते हैं।

पैसिव फंड में निवेश का महत्व समझते है भारतीय निवेशक

मुंबई (वार्ता)।

मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एमओएएमसी) के एक अध्ययन से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में पैसिव फंड खास कर छोटे निवेशकों की सोच के केंद्र में आ गए हैं और इन कोषों के प्रबंधनाधीन सम्पत्ति (एयूएम) 2015 में सभी प्रकार के कोषों की एयूएम के 1.4 प्रतिशत से बढ़कर आज 17 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

सर्वे के अनुसार 61% निवेशकों का कहना है कि उन्होंने कम से कम एक पैसिव फंड में निवेश किया है। इस सर्वे के लिए देश भर से 2,000 से अधिक निवेशकों अध्ययन निवेशकों से प्रश्न और राय ली गई है। एमओएएमसी, 30 इंडेक्स फंडों, ईटीएफ और एफओएफ के एयूएम में 17,000 करोड़ से अधिक के निवेश के साथ भारत में पैसिव फंडों की व्यापक रेंज प्रदान करता है।

रिपोर्ट के अनुसार 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना है कि उन्होंने पिछले 12 महीनों में पैसिव फंडों के लिए अपने बचत के आवंटन में वृद्धि की है। सर्वे का निष्कर्ष है कि 4 में से 3 (75 प्रतिशत) उत्तरदाता लंबी अवधि में धन सृजन के लिए अनुशासित निवेश के महत्व को समझते हुए एसआईपी का उपयोग करके निवेश करना पसंद करते है।

ग्राहक सेवा में बहुत तेज रहें सरकारी बैंक

■ संसदीय समिति की रिपोर्ट में दी गई इसकी सलाह

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को नई तकनीक को समय से अपनाने के साथ ही ग्राहक सेवा में बहुत तेज रहना होगा। एक संसदीय समिति ने बैंकों पर बढते कार्यभार का हवाला देते हुए यह बात कही।

समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि बैंकरों के काम की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए भर्ती परीक्षा की बनावट को भी समय-समय पर बदलने की जरूरत है, ताकि सही उम्मीदवारों का चयन किया जा सके। कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति ने कहा, ''बैंकरों के लिए जरूरी गति और सटीकता की परिभाषा समय-समय पर बदलती रहती है। लगभग 10 साल पहले कार्यभार और कार्य की प्रकृति को देखते हुए शायद ऐसी गति या सटीकता की जरूरत नहीं थी।' समिति ने आगे कहा, 'लेकिन आज बैंक कर्मचारी सैकड़ों केंद्रीय और राज्य सरकारों की योजनाओं को लागू कर रहे हैं और सरकार की गरीब-समर्थक योजनाओं की प्रकृति को देखते हुए गति और सटीकता बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।'

समिति ने इस बात पर जोर दिया कि आजकल इस्तेमाल की जा रही तकनीक के कारण, चाहे वह ई-बैंकिंग हो या आनलाइन बैंकिंग, बैंक कर्मचारियों को ग्राहक सेवा में बहुत तेज होना होगा। साथ ही उन्हें तकनीक को भी तेजी से अपनाना होगा।

भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा कि वह यह जानना चाहती है कि वर्तमान बदलते परिदृश्य की जरूरतों को पूरा करने और उसके साथ तालमेल बनाए रखने के लिए भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम और इसके दिशानिर्देश कैसे तैयार किए जा रहे हैं।

एयू फाइनेंस बैंक ने शुरू की वीडियो बैंकिंग सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

निजी क्षेत्र के एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने वीडियो बैंकिंग के माध्यम से 24 घंटे सातों दिन ग्राहक सेवा शुरू करने की घोषणा की है।

बैंक के यहां जारी बयान के अनुसार इस ग्राहक सेवा के तहत उसके ग्राहक किसी भी समय खाते से जुड़ी जानकारी और सुविधा, वित्तीय लेनदेन, आसान कर्ज और क्रेडिट कार्ड पूछताछ जैसी सेवाओं की सुविधाएं ले सकते हैं।

बैंक के कार्यकारी निदेशक उत्तम टिबरेवाल ने कहा, 'एयू स्माल फाइनेंस बैंक का चौबीसों घंटे वीडियो बैंकिंग में प्रवेश आधुनिक बैंकिंग में आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है।' इसमें बैंक के ग्राहक सप्ताह के सातों दिन वीडियो कान्फ्रेंसिंग जैसे वीडियो काल के माध्यम से वीडियो बैंकर के साथ बातचीत कर सकते हैं।

भेल का 20300 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य

बेंगलुरु (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (भेल) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 20,300 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य रखा है।

कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक भानु प्रकाश श्रीवास्तव ने मंगलवार को कहा कि स्वदेशी उत्पादों की मांग के चलते कंपनी की वृद्धि को गति मिल रही है। उन्होंने यहां एक साक्षात्कार में कहा कि रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले इस नवरत्न पीएसयू के पास इस साल एक अगस्त तक लगभग 64,800 करोड़ रुपये के ठेके हैं।

श्रीवास्तव ने कहा कि भेल ने ब्राजील, आर्मेनिया और कजाकिस्तान में विपणन कार्यालय शुरू करने की योजना बनाई है।

मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

■ बैठक के नतीजों का ऐलान 10 को ■ दरों में बदलाव की कोई उम्मीद नहीं

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक मंगलवार को यहां शुरू हुई। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा बृहस्पतिवार यानी 10 अगस्त को की जाएगी। आमतौर पर माना जा रहा है कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति इस बार भी प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति के मोर्चे पर चिंता के बीच ब्याज दर में इस लिए कर्ज की लागत को स्थिर रखने पर ध्यान देगी।

बार भी बदलाव नहीं करेगा। उनका कहना है कि एमपीसी आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के पिछले साल मई से रिजर्व बैंक ने रेपो दर में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू किया था। हालांकि, फरवरी से केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर में बढ़ोतरी को रोक दिया। फरवरी की मौद्रिक समीक्षा बैठक में रेपो दर को 6.25 से बढाकर 6.50 प्रतिशत किया गया था। बोफा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बैंक 10 अगस्त को ब्याज दर को यथावत रखेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टमाटर की कीमतों में हाल में उछाल का एमपीसी की बैठक के नतीजों पर असर नहीं पड़ेगा।

उद्यमियों के बीच सहयोग बढ़ाने को ब्रिक्स स्टार्टअप मंच शुरू करेगा भारत : गोयल

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उद्यमियों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस साल ब्रिक्स स्टार्टअप मंच की शुरुआत करेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही।

ब्रिक्स के सदस्यों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। उन्होंने ब्रिक्स उद्योग मंत्रियों की सातवीं बैठक को वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल से देश में लगभग एक लाख स्टार्टअप का गठन हुआ है और इस कारण नई दिल्ली इस क्षेत्र में अन्य ब्रिक्स सदस्यों को अपना समर्थन दे सकती है।

■ देश में अब तक हुआ है एक लाख स्टार्टअप का गठन
■ इसके लिए ब्रिक्स देशों को समर्थन दे सकती है सरकार
■ ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, चीन व दक्षिण अफ्रीका भी

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में हुई इस बैठक में ब्रिक्स देशों के उद्योग मंत्रियों ने एक संयुक्त घोषणा को अपनाया।

मंत्रियों ने ब्रिक्स देशों के बीच डिजिटलीकरण, औद्योगीकरण, नवाचार, समावेशन और निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया।

टेस्ला के सीएफओ बने भारतीय मूल के वैभव

न्यूयार्क (भाषा)।

भारतीय मूल के वैभव तनेजा को टेस्ला का नया मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) बनाया गया है। कंपनी के पिछले वित्त प्रमुख जॅचरी किरखोर्न के पद छोड़ने के बाद यह घोषणा की गई। टेस्ला ने सोमवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी।

तनेजा (45) को शुक्रवार को अमेरिका स्थित इलेक्ट्रिक कार कंपनी का सीएफओ बनाया गया। वह कंपनी के मुख्य लेखा अधिकारी (सीएओ) की भूमिका भी निभाते रहेंगे। एलन मस्क के नेतृत्व वाली कंपनी के साथ किरखोर्न के 13 साल के कार्यकाल को कंपनी ने 'जबर्दस्त विस्तार और वृद्धि'' का दौर बताया।

हर्ले की महंगी बाइक के लिए 25 हजार बुकिंग

नई दिल्ली (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने मंगलवार को कहा कि उसे अभी तक हार्ले-डेविडसन एक्स440 के लिए कुल 25,597 बुकिंग मिली हैं।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि चार जुलाई को शुरू हुई बुकिंग अब बंद कर दी गई है और दोबारा बुकिंग शुरू होने की तारीख जल्द घोषित की जाएगी। हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ निरंजन गुप्ता ने कहा, 'इस खंड में हीरो मोटोकॉर्प के प्रवेश पर ग्राहकों का भरोसा देखकर बेहद खुशी है। इससे भी अधिक खुशी की बात यह है कि हमारी ज्यादातर बुकिंग शीर्ष माडल से आ रही हैं। इससे साफ पता चलता है कि सही ब्रांड और सही माडल के लिए ग्राहक अधिक भुगतान करने को तैयार हैं।'

हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि वह सितंबर 2023 में हार्ले-डेविडसन एक्स440 का उत्पादन शुरू करेगी और अक्टूबर से ग्राहक को बाइक सौंपी जाएगी।

जिम्मेदार कंपनियों को आंकड़े देने चाहिए

■ कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक फैसले में की यह टिप्पणी

बेंगलुरु (भाषा)। आंकड़ों की कमी का अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ने का जिक्र करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया, जिसने 2011 के लिए अपने परिचालन के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए थे। मस्तूरलाल प्राइवेट लिमिटेड नाम की इस कंपनी के खिलाफ 2015 में सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की गई थी। कंपनी ने इसके खिलाफ 2022 में अदालत का दरवाजा खटखटाया।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने हाल में अपने फैसले में कहा कि किसी भी कंपनी की ओर से कोई भी लापरवाही देश की आर्थिक नीतियों पर प्रभाव डालेगी। अदालत ने आंकड़ों के संग्रह के महत्व पर कहा, 'यह बात जगजाहिर है कि भारतीय सांख्यिकीय प्रणाली दुनिया की सबसे अच्छी प्रणालियों में से एक है। देश सांख्यिकीय अनुपालन और अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं से संबंधित सभी अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों में भाग लेता है।'

पेपरफ्राई के सीईओ अंबरीश मूर्ति का निधन

नई दिल्ली (भाषा)।

पेपरफ्राई के सह-संस्थापक और सीईओ अंबरीश मूर्ति का दिल का दौरा पड़ने से लेह में निधन हो गया। कंपनी के सह-संस्थापक और सीओओ आशीष शाह ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने अपनी लिंक्डइन पोस्ट पर पेपरफ्राई में 12 साल पूरे करने की घोषणा की। वह आईआईटी कलकत्ता के 1996 बैच के छात्र थे और उन्होंने 1994 में दिल्ली कालेज आफ इंजीनियरिंग से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। पेपरफ्राई के सह-संस्थापक और सीओओ आशीष शाह ने एक ट्वीट में कहा, 'यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि मेरे दोस्त, गुरु, भाई अंबरीश अब नहीं रहे।

वैश्विक एजेंसियां दो श्रेणी ऊपर रखें भारत की रेटिंग

■ पीएमईएसी के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा, फिलहाल इन एजेंसियों की रेटिंग पूरी तरह बेतुकी

कोलकाता (भाषा)।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि वैश्विक साख मूल्यांकन एजेंसियों को भारत को मौजूदा रेटिंग से कम से कम एक या दो श्रेणी ऊपर की रेटिंग देनी चाहिए।

सान्याल ने कहा कि भारत को दी गई एजेंसियों की रेटिंग 'पूरी तरह से बेतुकी' है। सान्याल ने कहा, 'सावरेन रेटिंग के संदर्भ में, यदि भारत को उचित रेटिंग दी जाए, तो इसे दो नहीं तो कम से कम एक श्रेणी ऊपर होना चाहिए। भारत को निवेश श्रेणी में सबसे नीचे रहने का कोई कारण नहीं है।' वह यहां 'केयरएज कन्वर्सेशन्स' में बोल रहे थे। सान्याल ने कहा कि रेटिंग एजेंसियों के ढांचे पर सवाल उठाए जाने की दी सलाह

■ भारत को निवेश श्रेणी में सबसे नीचे रखने की कोई वजह नहीं
■ रेटिंग एजेंसियों के ढांचे पर सवाल उठाए जाने की दी सलाह

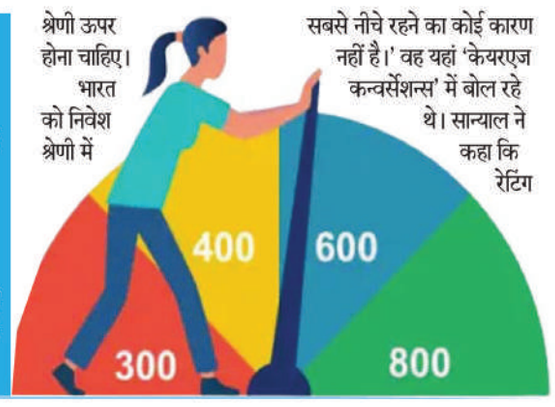

एजेंसियों के ढांचे पर सवाल उठाया जाना चाहिए और भारत को यह अहसास होना चाहिए कि उन्हें आसानी से बदला जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'हमें पश्चिम के नियमों और मानदंडों का पालन क्यों करना चाहिए, जिन्हें बनाने में हमारी कोई भूमिका नहीं थी। जैसे कि कई ऐसे सूचकांक हैं जहां हम 100 स्थान से भी नीचे आते हैं।'

कोलंबिया ने पहली बार कटाया क्वार्टरफाइनल का टिकट

फीफा महिला वर्ल्डकप: जमैका को 1-0 से हराया

मेलबर्न, (एजेंसी)। कोलंबिया ने फीफा महिला विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल में मंगलवार को जमैका पर 1-0 की ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल का टिकट कटा लिया।

मेलबर्न रेक्टेंगुलर स्टेडियम पर दोनों टीमों को संघर्ष करना पड़ा लेकिन 51वें मिनट में कैटलीना उस्मे का गोल कोलंबिया की जीत में निर्णायक साबित हुआ। क्वॉर्टर फाइनल में उसका सामना शनिवार को सिडनी में यूरोपीय चैंपियन इंग्लैंड से होगा। इंग्लैंड ने सोमवार को पेनल्टी शूटआउट में नाइजीरिया को हराया था। पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद उस्मे ने 52वें मिनट में अन्ना गुजमैन के पास पर गोल किया जिससे कोलंबियाई टीम जश्न में डूब गई। यह टूर्नामेंट में जमैका के खिलाफ पहला गोल भी था। इसके बाद कोलंबिया की किशोरी लिंडा कैसीडो को गोल करने के कुछ मौके मिले लेकिन वह बढ़त दोगुनी नहीं कर पाई। कोलंबिया की टीम इससे पहले 2015 में भी अंतिम 16 में पहुंची थी लेकिन तब अमेरिका ने उसे आगे नहीं बढ़ने दिया था। जमैका की टीम ने पहली बार नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी।

गोल दागने के बाद जश्न मनातीं कैटलीना उस्मे।

मोरक्को को रौंदकर फ्रांस अंतिम-8 में

एडिलेड। फ्रांस ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के एकतरफा प्री-क्वार्टरफाइनल में मोरक्को को 4-0 से रौंदकर क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया। हिंडमार्श स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में कडिडाटू डियानी (15वां मिनट) और केन्जा डाली (20वां मिनट) ने फ्रांस के लिये एक-एक गोल किया, जबकि यूजीनी ली सॉमर (23वां, 70वां मिनट) ने दो गोल जमाये। डियानी ने 15वें मिनट में मोरक्को के गोल के करीब आकर एक हेडर के जरिये फ्रांस का खाता खोला। पांच मिनट बाद डियानी ने दाहिनी ओर से गेंद को कट करके डाली के पास पहुंचाया। डाली ने कुछ क्षण इंतजार करने के बाद गेंद को नेट में पहुंचाया और फ्रांस की बढ़त दोगुनी कर दी। मोरक्को ने मैच में धीरे-धीरे वापसी का प्रयास शुरू ही किया था कि डियानी ने एक बार फिर मोरक्को से गेंद छीनी जिसे ली सॉमर ने नेट में पहुंचाकर स्कोर 3-0 कर दिया। ली सॉमर ने स्थानापन्न खिलाड़ी विकी बेको के लंबे क्रॉस की सहायता से दूसरे हाफ में भी एक गोल किया। दूसरी ओर, पहली बार महिला विश्व कप के नॉकआउट में पहुंचा मोरक्को शुरुआत से ही बैकफुट पर रहा।

मनोज तिवारी ने संन्यास का फैसला वापस लिया

कोलकाता। क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करने के एक सप्ताह से भी कम समय बाद बंगाल के कप्तान मनोज तिवारी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपना फैसला बदलने का मन बनाया है। वह रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने के लिए एक और प्रयास करना चाहते हैं। तिवारी की अगुवाई वाली बंगाल पिछले सत्र में घरेलू मैदान पर खेले गये फाइनल में खिताब जीतने की प्रबल दावेदार थी, लेकिन सौराष्ट्र ने 2019-20 सत्र के फाइनल के परिणाम को दोहराते हुए उन्हें नौ विकेट से हराया था।

संन्यास के बाद अनिवार्य ब्रेक अनुचित: उथप्पा

मुंबई। भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि विदेशी टी20 लीग में खेलने की चाहत रखने वाले संन्यास ले चुके भारतीय क्रिकेटरों के लिए अनिवार्य ब्रेक असहज और अनुचित होगा। बीसीसीआई अनिवार्य ब्रेक पर विचार कर रहा है जिससे कि खिलाड़ियों को संन्यास के तुरंत बाद विदेशी लीग से जुड़ने से रोका जा सके। हालांकि इस संबंध में अभी कोई फैसला नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इसे लेकर असहज होना मानवीय स्वभाव है।

मर्डेका टूर्नामेंट 2023 में मलेशिया से भिड़ेगा भारत

कुआलालंपुर। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को मर्डेका टूर्नामेंट 2023 के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया का सामना करना होगा। मलेशिया फुटबॉल संघ ने मंगलवार को ड्रॉ समारोह के बाद इसकी पुष्टि की। यह मैच 13 अक्टूबर को कुआला लंपुर के बुकिट जलील नेशनल स्टेडियम में होगा। दूसरे सेमीफाइनल में फ़लिस्तीन का मुकाबला लेबनान से होगा। यह अंतरराष्ट्रीय मैचों में मलेशिया के साथ भारत की रिकॉर्ड 32वीं भिड़ंत होगी।

तीसरे टी20 में सूर्या और कुलदीप का जलवा

करो या मरो के मैच में भारत ने वेस्ट इंडीज को दी शिकस्त

कुलदीप यादव: 4 ओवर, 0 मेडन, 28 रन, 03 विकेट

गयाना, (एजेंसी)। भारत ने कुलदीप यादव (28/3) की नायाब गेंदबाजी और सूर्यकुमार यादव (44 गेंद, 83 रन) के आतिशी अर्धशतक की बदौलत करो या मरो वाले तीसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर सीरीज की हार टाल दी। वेस्टइंडीज फिलहाल 2-1 से आगे है। अभी दो मैच और शेष हैं। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 159 रन बनाए। जबाव में भारत ने 17.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

डेब्यूटेंट यशस्वी जायसवाल (एक रन) और शुभमन गिल (6 रन) ने भारत को निराश किया। इसके बाद सूर्यकुमार और तिलक ने मोर्चा संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी की कर मैच को भारत की झोली में डाल दिया। सूर्या भले ही शतक से चूक गये, लेकिन तिलक ने कप्तान हार्दिक (नाबाद 20) के साथ मिलकर भारत को जीत दिला दी। इससे पहले, वेस्टइंडीज ने लिए ओपनर ब्रैंडन किंग ने सर्वाधिक 42 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके अलावा कप्तान पॉवेल ने नाबाद 40 रन , काइल मेयर्स 25 रन, और पूरन ने 20 रन का योगदान दिया। भारत के लिए स्पिनर कुलदीप यादव ने 3 विकेट चटकाए।

स्कोर बोर्ड

वेस्ट इंडीज	रन	गेंद	4/6
ब्रैंडन किंग कै. एवं बो. कुलदीप	42	42	5/1
काइल मेयर्स कै. अर्शदीप बो. अक्षर	25	20	3/1
जॉनसन चार्ल्स पगबाधा कुलदीप	12	14	1/1
निकोलस पूरन कै. संजू बो. कुलदीप	20	12	2/1
रोवमन पॉवेल नाबाद	40	19	1/3
शिमरॉन हेटमायर कै. तिलक बो. मुकेश	09	08	1/0
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	02	05	0/0

अतिरिक्त: 09, **कुल:** 20 ओवर में पांच विकेट पर 159 रन,
विकेट पतन: 1-55, 2-75, 3-105, 4-106, 5-123
गेंदबाजी: हार्दिक पंड्या 3-0-18-0, अर्शदीप सिंह 3-0-33-0, अक्षर पटेल 4-0-24-1, युजवेंद्र चहल 4-0-33-0, कुलदीप यादव 4-0-28-3, मुकेश कुमार 2-0-19-1.

भारत	रन	गेंद	4/6
जायसवाल कै. जोसेफ बो. मर्कॉए	01	02	0/0
शुभमन गिल कै. चार्ल्स बो. जोसेफ	06	11	1/0
सूर्यकुमार यादव कै. किंग बो. जोसेफ	83	44	10/4
तिलक वर्मा नाबाद	49	37	4/1
हार्दिक पंड्या नाबाद	20	15	1/1

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 17.5 ओवर में तीन विकेट 164 रन **विकेट पतन:** 1-6, 2-34, 3-121 **गेंदबाजी:** ओबेद मर्कॉए 2-0-32-1, अकील हुसैन 4-0-31-0, अल्जारी जोसेफ 4-0-25-2, रॉस्टन चेज 4-0-28-0, रोमारियो शेफर्ड 3-0-36-0, रोवमन पॉवेल 0.5-0-10-0.

कुलदीप ने पूरा किया विकेटों का अर्धशतक

भारत के लिए टी-20 में सबसे तेज 50 विकेट	
खिलाड़ी	पारी
कुलदीप यादव	29
युजवेंद्र चहल	34
जसप्रीत बुमराह	41
रविचंद्रन अश्विन	42
भुवनेश्वर कुमार	50

कुलदीप यादव टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की ओर से विकेटों का अर्धशतक लगाने वाले 7वें गेंदबाज बने हैं। वह सबसे कम गेंदों में 50 विकेट वाले भारतीय एकमात्र भारतीय हैं, जिन्होंने 700 से कम गेंदों में 50 टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। उन्होंने इस प्रारूप में अपनी 638वीं गेंद पर यह उपलब्धि हासिल की।

यशस्वी का टी-20 में डेब्यू

तीसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने भारत के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। सूर्यकुमार यादव ने उन्हें डेब्यू कैप सौंपी। यशस्वी ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यूअ टेस्ट में 171 रन पारी खेली थी।

सूर्या टी-20 में सर्वाधिक छक्के ठोकने वाले तीसरे भारतीय

- सूर्यकुमार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में तीसरे सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 49 पारियों में 100 छक्के पूरे किए। इस सूची में शीर्ष पर रोहित शर्मा और दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं। रोहित ने 140 पारियों में 182 वहीं कोहली ने 107 पारियों में 117 छक्के जड़े हैं।
- सूर्यकुमार सबसे तेज 100 छक्के पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने 49 पारियों में यह कारनामा किया। इस लिस्ट में इविन लुईस (42 पारी) टॉप पर हैं।

सूर्यकुमार: 83 रन, 44 गेंद, 10 चौके, 04 छक्के

पर्वतारोही अंजना यादव 15 अगस्त को माउंट एल्ब्रस पर फहराएंगी तिरंगा

भोपाल (खेस)। रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय(आरएनटीयू) की छात्रा और पर्वतारोही अंजना यादव स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउण्ट एल्ब्रस (18510 फीट) पर तिरंगा फहराने के लिए रवाना हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विजय सिंह जी ने अंजना को आरएनटीयू का फ्लैग और पर्वतारोहण में उपयोग आने वाला ड्रेस देकर शुभकामनाओं सहित रवाना किया। वे माउण्ट एल्ब्रस जो कि रूस देश की ओर क्लाइंम्ब कर तिरंगा फहरायेंगी। उल्लेखनीय है कि अंजना यादव ने 15 अगस्त 2021 को हिमाचल की यूनम पीक 20 हजार फीट, माउंट फ्रेण्डशिप पीक 17346 फीट, माउंट रैनो पीक 16023 फीट, माउंट एवरेस्ट बेस कैंप 17598 फीट, माउंट गोकू पीक 17929 फीट और माउंट पतालशू पीक 13800 फीट पर पूर्व में सफलता पूर्वक ध्वजारोहण कर चुकी हैं।

69 इलेवन ने जीता एक्रोबेट इंडोर टूर्नामेंट

भोपाल,(एजेंसी)। पुरुषोतम गौर तरण पुष्कर स्थित टर्फ पर एक्रोबेट इंडोर क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 का खिताब जीता। फाइनल इलेवन में रोहन इलवेन ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 6 ओवर में सभी विकेट खोकर 32 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए 69-इलवेन ने 4.3 ओवर में 02 विकेट 33 रन बनाकर मैच प्रतियोगिता जीत ली ।

पुरस्कार: विजेता टीम-69 इलेवन, **उपविजेता टीम**-रोहन इलवेन, **मैन ऑफ द सीरीज** - आदित्या, **बेस्ट बैटर** - हिमांशु, **बेस्ट बॉलर** - निशांत।

वर्ल्ड यूर्निवसिटी गेम्स में 26 पदक के साथ भारत का अभियान समाप्त

चेंगदू, (एजेंसी)। भारत ने वर्ल्ड यूर्निवसिटी गेम्स खेलों में मंगलवार को 26 पदक के साथ किया अपना अभियान समाप्त किया।

टूर्नामेंट में भारत 11 स्वर्ण, पांच रजत और 10 कांस्य पदक के साथ सातवें स्थान पर रहा जो पदक तालिका में उसका सर्वश्रेष्ठ स्थान है। विश्व विश्वविद्यालय खेल 2023 से पहले भारत ने इन खेलों में सिर्फ 21 पदक (छह स्वर्ण, छह रजत और नौ कांस्य) जीते थे। भारत ने इस बार इन खेलों के लिए 256 खिलाड़ियों का दल भेजा था। सबसे अधिक निराश हालांकि ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों ने किया। ट्रैक एवं फील्ड में भारत ने अपने सबसे अधिक 82 प्रतिभागियों को उतारा था लेकिन वे सिर्फ चार कांस्य पदक जीत पाए। 21 सदस्यीय निशानेबाजी टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आठ स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक जीते जबकि तीरंदाजी में भारत को तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक मिले।

हरमनप्रीत कौर ने की अधिक टेस्ट मैच कराने की मांग

बोलीं, उम्मीद है कि इससे महिला क्रिकेट पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा

लंदन,(एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला क्रिकेट में लंबे प्रारूप के महत्व पर जोर देते हुए लाल गेंद के प्रारूप के अधिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैच कराने की मांग की। भारतीय महिला टीम 2022-25 तक चलने वाले वर्तमान भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) चक्र में लंबे प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने वाली चार टीमों के बीच सबसे कम टेस्ट मैच खेलेगी।

हरमनप्रीत ने कहा, इस साल हमें दो टेस्ट मैच (एक इंग्लैंड के खिलाफ और एक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) खेलना है। मुझे उम्मीद है कि ये मैच महिला क्रिकेट पर बड़ा प्रभाव डालेंगे। उम्मीद है कि भविष्य में हमें और अधिक टेस्ट मैच खेलने को मिलेगा। हरमनप्रीत ने कहा, हमें महिला क्रिकेट में टेस्ट मैचों को वापस लाना होगा क्योंकि यह महिला क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत को 2023-24 सत्र में घरेलू मैदान पर दो टेस्ट खेलने हैं। हरमनप्रीत ने कहा,द मैं एक खिलाड़ी के रूप में निश्चित रूप से अधिक टेस्ट खेलना चाहती हूं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर बड़े होते हुए हमने टेलीविजन पर टी20 की तुलना में अधिक टेस्ट देखे हैं। आज के दौर में टी20 खेलने में बहुत मजा आता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट एक ऐसी चीज है जिसे हर क्रिकेटर खेलना चाहता है। देश में महिला क्रिकेट के मामले में घरेलू परिदृश्य में सुधार हो रहा है लेकिन अधिक बहु-दिवसीय मैच खेले जाने की जरूरत है।

भारतीय जूनियर पुरुष महिला टीम के कोच बने क्रुइस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को दो दशक से अधिक के कोचिंग अनुभव वाले नीदरलैंड के हरमन क्रुइस को भारतीय पुरुष और जूनियर महिला हॉकी टीमों का कोच नियुक्त करने की घोषणा की। अपने कार्यकाल के दौरान क्रुइस इस साल के अंत में मलेशिया में होने वाले एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2023 और सैंटियागो में होने वाले एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप 2023 से पहले भारत की जूनियर पुरुष और महिला टीमों की तैयारियों की देखरेख करेंगे। अपने विशाल कोचिंग करियर में क्रुइस ने नीदरलैंड एक क्लब डेन बॉश लेडीज के साथ उनके प्रमुख कोच के रूप में काम किया है। क्रुइस के कार्यकाल के दौरान टीम ने लगातार आठ बार यूरोपीय कप जीता। वह 2006 से 2008 के बीच नीदरलैंड इंडोर महिला हॉकी के राष्ट्रीय प्रमुख कोच भी थे। इसके अलावा उन्होंने 2008 से 2010 के बीच नीदरलैंड आउटडोर हॉकी टीम की कमान संभाली। अपने सबसे हालिया कार्यकाल में वह 2016 से अगस्त 2023 के बीच बेलारूस इंडोर और आउटडोर टीम के राष्ट्रीय प्रमुख कोच थे। क्रुइस एक प्रमाणित एफआईएच कोच-शिक्षक हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ दिलीप टिर्की ने क्रुइस का स्वागत करते हुए कहा, हॉकी इंडिया को जूनियर टीमों के लिये हमारे राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वरिष्ठ कोच हरमन क्रूज का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

विश्व एथलेटिक्स | **खेल मंत्रालय ने घोषित की 28 सदस्यीय टीम**

नीरज करेंगे भारत की अगुआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा बुडापेस्ट के हंगरी में 19 अगस्त से होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के 28 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। इस बार टीम की घोषणा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की जगह खेल मंत्रालय ने की।

एशियाई रिकॉर्ड धारक गोला फेंक खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर 19 से 27 अगस्त तक होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से हट गए हैं क्योंकि वह ग्रोइन की चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने जुलाई में एशियाई चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी। ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस्विन शंकर, 800 मीटर की धावक केएम चंदा और 20 किमी पैदल चाल की खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी (राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक) ने भी विश्व चैंपियनशिप में नहीं खेलने का फैसला किया है और इसकी जगह ये चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान लगाएंगे।

28 सदस्यीय भारतीय टीम

पुरुष: कृष्ण कुमार (800 मी.), अजय कुमार सरोज (1500 मी.), संतोष कुमार तमिलरनसन (400 मी. बाधा दौड़), अविनाश मुकुंद साबले (3000 मी. स्टीचलचेज), सर्वेश अनिल कुशारे (ऊंची कूद), जेस्विन एल्ड्रिन (लंबी कूद), एम श्रीशंकर (लंबी कूद), प्रवीण चित्रावेल (त्रिकूद), अब्दुल्ला अबूबाकर (त्रिकूद), एल्धोज पॉल (त्रिकूद), नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), डीपी मनु (भाला फेंक), किशोर कुमार जेना (भाला फेंक), आकाशदीप सिंह (20 किमी पैदल चाल), विकास सिंह (20 किमी पैदल चाल), परमजीत सिंह (20 किमी पैदल चाल), राम बाबू (35 किमी पैदल चाल), अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल, मोहम्मद अनस, राजेश रमेश, अनिल राजलिंगमऔर मिजो चाको कुरियन (पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले)।

महिला: ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज), शैली सिंह (लंबी कूद), अन्नु रानी (भाला फेंक) और भावना जाट (पैदल चाल)।

नेचर लवर के लिए जन्नत से कम नहीं है उत्तराखंड की ये जगह, जरुर बनाएं घूमने का प्लान

उत्तराखंड देश का एक ऐसा राज्य हैं, जहां पर हर मौसम में घूमने के लिए लाखों सैलानी पहुंचते हैं। राज्य में कई ऐसी हसीन वादियां मौजूद हैं, जहां पर घूमने के बाद आपका वापस आने का मन नहीं होगा। इसलिए पर्यटक एक ही जगह पर कई बार घूमने के लिए पहुंच जाते हैं। हालांकि ऋषिकेश, मसूरी, नैनीताल, अल्मोड़ा और रानीखेत आप लोग कई बार घूमने के लिए गए होंगे। लेकिन क्या आप उत्तराखंड में मौजूद एबॉट माउन्ट घूमने गए हैं। अगर आपका जवाब नहीं है तो बता दें कि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एबॉट माउंट के आसपास मौजूद कुछ हसीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। इस जगहों पर आपको एक बार जरूर जाना चाहिए।

एबॉट माउंट- एबॉट माउंट में मौजूद कुछ बेहतरीन जगहों को जानने से पहले बता दें कि यह उत्तराखंड में मौजूद है। यह उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है। उत्तराखंड के लोहाघाट से एबॉट माउंट लगभग 8 किमी की दूरी पर स्थित है। समुद्र तल से 7 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। कहा जाता है कि इस अंग्रेजों द्वारा बसाया गया था। इस

जगह का नाम अंग्रेजी व्यवसायी जॉन हेरोल्ड एबॉट के नाम पर एबॉट माउंट रखा गया है।

क्यों फेमस है एबॉट माउंट- हिमालय की गोद में मौजूद एबॉट माउन्ट एक बेहद ही खूबसूरत और मनमोहक स्थान है। बता दें कि यह राज्य की सबसे लंबी, ऊंची और चौड़ी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच में मौजूद है। इसके अलावा घने जंगलों के बीच बेहतरीन यूरोपीय अंदाज में निर्मित बंगला भी मौजूद हैं।

लोहाघाट- अगर आप एबॉट माउन्ट के आसपास घूमने की जगहों के बारे में सोच रहे हैं तो बता दें कि आपको यहां पर लोहाघाट जरुर एक्सप्लोर करना चाहिए। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों, खूबसूरत देवदार के पेड़ और मनमोहक झीलों बीच स्थित यह जगह काफी हसीन है। वहीं नेचर लवर्स के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है। एबॉट माउंट से लोहाघाट करीब 7 किमी दूर है।

एबॉट माउंट चर्च- एबॉट माउंट चर्च की हसीन वादियों के बीच एबॉट माउंट चर्च भी मौजूद है। यह घूमने के लिए काफी अच्छी जगह है। समुद्र तल से लगभग 6 हजार से ज्यादा की ऊंचाई पर मौजूद इस चर्च तक पहुंचने के लिए आप ट्रैकिंग भी कर सकते हैं। बताया जाता है कि इस चर्च का निर्माण साल 1942 में किया गया था।

चिनेश्वर वॉटरफॉल- यह एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक वॉटरफॉल है। इस चिनेश्वर वॉटरफॉल को कुमाऊं क्षेत्र का छिपा हुआ खजाना भी कहा जाता है। मानसून में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

कैसे पहुंचे एबॉट माउंट- एबॉट माउंट पहुंचना काफी आसान है। इसके लिए आपको पहले नैनीताल पहुंचना होगा। फिर नैनीताल से आप बस व टैक्सी के जरिए एबॉट माउंट पहुंच सकते हैं। नैनीताल से एबॉट माउन्ट की दूरी 152 किमी है। चंडीगढ़, दिल्ली, ऋषिकेश, हल्द्वानी और हरिद्वार आदि शहरों से बस से आप नैनीताल पहुंत सकते हैं। वहीं आप अगर ट्रेन से जाते हैं तो बता दें कि नैनीताल का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम रेलवे स्टेशन है।

गांव की कहानी

लखनलाल आडिल

अंग्रेजों के प्रभाव से नाम हुआ दरबार मोखली

दुर्ग जिले के इतिहास में स्वतंत्रता संग्राम में पाटन क्षेत्र का विशेष योगदान रहा है। यह क्षेत्र का आजादी के प्रति समर्पण और त्याग के अनेक प्रमाण आज भी मौजूद हैं। इन्हीं में से पाटन से 3 किमी दक्षिण में तेलीगुंडरा के मालगुजारों तथा तेली जाति की बाहुलता से इस गांव का नाम तेलीगुंडरा हुआ है। इस गांव से छः किमी की दूरी पर कुर्मी गुंडरा है। पहले यहां के मालगुजार गोलरिया जाति के थे, तो इस गांव को गोलरिया गुंडरा भी कहते थे। लेकिन जब इस गांव के मालगुजार दाऊ रामनाथ बघेल हुए, तो गांव का नाम कुर्मी गुंडरा हो गया। इन्हीं गांव से दो किमी दूरी पर मोखली ग्राम है जिसे पूर्व में गांव को झाड़ मोखली कहते थे, शायद यहां झाड़ की बाहुलता के कारण यह गांव का नाम रहा होगा। इसी तरह यहां उत्तर दिशा में स्थित गांव को दरबार मोखली कहते हैं। बताया जाता है कि अंग्रेजों के शासन काल के प्रारंभिक अवस्था में मालगुजारों का यहां दरबार लगता था। आज भी यहां लंबी-चौड़ी गुड़ी है, जहां आसपास के मालगुजार वर्ष में एक बार इक्टठा होते और ग्राम की शासन व्यवस्था पर आपस में विचार विमर्श कर नीति निर्धारण करते थे। जिस तरह दिल्ली में राजा इक्टठा होते, तो उसे दिल्ली दरबार कहा जाता है। इसी तरह यहां मालगुजारों के इक्टठा होने के कारण गांव का नाम दरबार मोखली रखा गया। अंग्रेजों से मुकाबला करने के लिए यह अंचल कभी पीछे नहीं रहा। शिक्षा के क्षेत्र में प्रारंभिक काल से ही यह गांव अपना परचम लहराया है।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पाटन के रानीतराई क्षेत्र के कौही गांव में खारून नदी के तट पर आनंद मठ स्थापित है। बुजुर्गों के अनुसार आज से लगभग सौ पूर्व इस गांव में आनंद नाम का मालगुजार वैष्णव समुदाय से था। वह अपना समस्त कारोबार छोड़कर संन्यास धारण कर लिया। वह नदी के तट पर आश्रम बनाकर तप करता था। धीरे-धीरे उसकी प्रसिद्धि बढ़ती गई और आसपास के लोग आशीर्वाद लेने आने लगे। जब वह स्वर्गवासी हुए, तो उनकी समाधि स्थल पर मठ बना दिया गया। तब से उस स्थान का नाम आनंद मठ हो गया। आज भी आनंद मठ में लोगों की श्रद्धा देखी जाती है।

सामाजिक समरसता से परिपूर्ण कौही का आनंद मठ

आस्था

रामकुमार वर्मा

आनंद मठ का नाम सुनते ही साहित्य से जुड़े लोगों को बंकिमचंद चटर्जी द्वारा इस शीर्षक से लिखित उपन्यास पर ध्यान चला जाता है, इस परिकल्पना के ठीक विपरीत छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पाटन के रानीतराई क्षेत्र के कौही गांव में खारून नदी के तट पर आनंद मठ स्थापित है। बुजुर्गो के अनुसार आज से लगभग सौ पूर्व इस गांव में आनंद नाम का मालगुजार वैष्णव समुदाय से था। वह अपना समस्त कारोबार छोड़कर सन्यास धारण कर लिया। वह नदी के तट पर आश्रम बनाकर तप करता था। धीरे-धीरे उसकी प्रसिद्धि बढ़ती गई और आसपास के लोग आशीर्वाद लेने आने लगे। जब वह स्वर्गवासी हुए, तो उनकी समाधि स्थल पर मठ बना दिया गया। तब से उस स्थान का नाम आनंद मठ हो गया। आज भी आनंद मठ में लोगों की श्रद्धा देखी जाती है। पहले यह स्थान दुर्गम तथा वनों से आच्छादित था। अब इस स्थल पर अनेक समाज के द्वारा मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं, तथा यह स्थान पर्यटन स्थल का रूप ले चुका है।

महाशिवरात्रि में होता है भव्य मेले का आयोजन

नदी के किनारे होने के कारण आसपास के क्षेत्रों में कौही मेला के नाम पर महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। मठ पर भव्य प्रवेश द्वार भी बनाया गया है। इस स्थल की विशेषता है कि सभी धर्म और समाज के लोग इस मठ में अपनी आस्था प्रकट करने आते रहते है, जिससे सामाजिक समरसता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

घोघरा जल स्त्रोत का आनंद लेने पहुंचते हैं पर्यटक

छत्तीसगढ़ में नव सृजित जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ संत गुरु घासीदास जी की ज्ञान स्थली है। इस क्षेत्र में सारंगढ़ रियासत का एक अलग नाम रहा है। संस्कारधानी इस क्षेत्र का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व भी है। सारंगढ़ में प्राचीन मंदिरों में आदि शक्ति मां समलेश्वरी तथा मां काली विराजमान हैं। यह मंदिर सारंगढ़ राजा की कुलदेवियों में पूजे जाते हैं। इसी शहर के मध्य में घोघरा जल स्त्रोत के ऊपर गिरि विलास पैलेस स्थित है। ऊपर से गिरती झरना सदृश नीचे मां काली की चरण पखारती है। यह जल स्त्रोत इन दिनों अपनी प्राकृतिक वैभव लिए बहती सारंगढ़ की सुंदरता को समेटे हुई होती हैं। यह जल स्त्रोत आगे रांपागुला गांव के जंगल से निकल कर महानदी में मिल जाती है। शहर के हृदय स्थल में होने के कारण बरसात के दिनों में सुबह से लेकर रात तक पर्यटक इस सुहावने स्थल में आकर आत्मिक सुकून महसूस करते हैं।

पर्यटन : लक्ष्मी नारायण लहरे 'साहिल'

स्वतंत्रता संग्राम का प्रभाव आंचलिक कहानियों में

लोक साहित्य

डा. यशेश्वरी ध्रुव

स्वतंत्रता पूर्व की छत्तीसगढ़ी कहानियों में यदि एक ओर क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीयता का सुंदर समायोजन है तो दूसरी ओर आध्यात्मिक आस्था का प्रभाव भी दिखाई देती है। अंग्रेजों के आतंक व अत्याचार से आक्रांत लोक मानस ने इस विषम और विकराल स्थिति से मुक्ति के लिए ईश्वर की शरण में जाना उपयुक्त समझा। इस तरह धार्मिकता की ओर झुकाव इस युग के कहानीकारों की प्रवृत्ति बन गई। सामाजिक विसंगतियों को देखकर व्यंग्य, रूढ़विादिता और अंधविश्वास के प्रति प्रहार परतंत्रता से मुक्ति पाने के विकल्प के रूप में प्रमुख प्रवृत्ति बनकर परिलक्षित हुई। इस समय के कहानियों में प्राचीन संस्कृति के प्रति मोह तो है ही, आधुनिकता के प्रति आगाह भी दृष्टिगत होता है। छत्तीसगढ़ी लोक कथा को साहित्यिक स्वरूप प्रदान करने का सिलसिला भी इसी समय ही शुरू हुआ। इस काल में कहानी और लोककथा के विस्तार को एक नया आयाम मिला और निरंतर कहानी लेखन में बढ़ावा मिलना इसी काल में देखा गया। यह उन्नत अवस्था आज तक लगातार जारी है, और नए नए वातावरण के घटना क्रम को लेखक अपनी कहानियों में स्थान दे रहे हैं, जिससे जन चेतना जागृत होना स्वाभाविक है।

पुस्तक समीक्षा

आजादी की लड़ाई

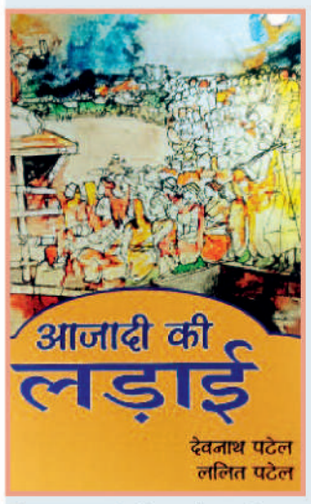

कृति के नाव: आजादी की लड़ाई

कृतिकार: देवनाथ पटेल

समीक्षक: डा. डी. पी. देशमुख

प्रकाशक: वैभव प्रकाशन रायपुर

कीमत: सौ रूपए

कृतिकार ने अपनी इस कृति 'आजादी की लड़ाई' में रायपुर, अभनपुर, राजिम और धमतरी के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को रेखांकित किया है। इसके साथ ही इस अंचल के अभनपुर ब्लाक के ग्राम खिसोरा के स्वतंत्रता सेनानियों का विशेष जिक्र किया है। इसके साथ ही कुछ सम-सामयिक विषयों को भी अपनी इस पुस्तक में आपने स्थान दिया है। आपने ऐसे सेनानियों को चिंहित किया, जिन पर ध्यान कम ही जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र आज भी सुविधाविहीन है। इसके बावजूद भी वे आजादी की लड़ाई में अपना योगदान देने में कोई कमी नहीं किए। इस पुस्तक से ऐसे स्वतंत्रता सेनानी जिसे अंचल के बाहर के लोग नहीं जानते, उन्हें इस पुस्तक के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी। इसके साथ ही पाठक और शोधार्थी भी इस पुस्तक से विशेष जानकारी सरलता से प्राप्त कर सकते हैं।

सुरता: सुरेश वाहने

शेर अली जैसे व्यक्तित्व की जरूरत है आज भी समाज में

सामाजिक समरसता छत्तीसगढ़ अंचल की विशेष पहचान रही है, जिसमें अंचल के बुद्धिजीवियों, कलाकारों, साहित्यकारों तथा आम नागरिकों ने भी इस दिशा में अपना योगदान दिया है। ऐसे ही मिसाल कायम करने वाले व्यक्तित्व शेर अली का जन्म दुर्ग जिले के समीपवर्ती ग्राम कंडरका के मुस्लिम परिवार में सन 1949 में हुआ। आपके पिता रज्जाक अली प्रसिद्ध कीर्तनकार थे। पिता के कला का प्रभाव आप पर देखने को मिला, जिसमें आप रंगनी-रवेली, मटेवा, हरडुवा, बड़े खल्लारी, छोटे खल्लारी, नाम्ही चोर चरनदास, फुन्डहर, चम्पा बरसन, अछोटी तथा बेलटिकरी जैसे नाच पार्टियों में आपने अपनी कला का प्रदर्शन किए। रामायण गायन के साथ हारमोनियम बजाने में भी आप माहिर थे। आपने हबीब तनवीर जी के साथ वर्षों अपनी कला का प्रदर्शन किया, तथा कला और संगीत के लिए भारत भवन में भी अपनी सेवाएं दीं। दूरदर्शन रायपुर द्वारा निर्मित टेलीफिल्म 'टोटका के फोटका ' हेतु संगीत भी दिए। इनके अलावा अनेक नाटकों व लोकमंचों में आपका संगीत निर्देशन भी रहा। कबीर भजनों के पार्श्व गायक भी रहे। छत्तीसगढ़ी संस्कृति उनके रग-रग में रची बसी थी। ऐसे समय में, जब देश में सामाजिक सदभाव की आवश्यकता महसूस हो रही हो, ऐसी अवस्था में जनाब शेर अली जैसे व्यक्तित्व की शिद्दत से जरूरत महसूस होती है। वे महान कलाकार होने के साथ ही सांप्रदायिक एकता की मिसाल थे। अभी कुछ समय पहले आप इस संसार से विदा हो गए।

ऐतिहासिक

निर्मलकांत श्रीवास्तव

जंगल सत्याग्रह का प्रभाव छुईखदान में

1948 में छुईखदान रियासत का अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष का श्रीगणेश यहां शहर के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल नर्मदा कुंड से हुआ। 14 जनवरी 1939 को कांग्रेस के कार्यकर्ता स्वयं सेवक के रूप में सत्याग्रह कराने के लिए चंपाटोला से गंडई की ओर अग्रसर हुए। रियासत की पुलिस ने कुछ सत्याग्रहियों को गिरफ्तार किया, किन्तु कुछ स्वयं सेवक बच निकले तथा चम्पाटोला पहुंचने में सफल हो गए। बाद में गिरफ्तार कर उन्हें छुईखदान लाया गया। समारूबाई सत्याग्रहियों के नेताओं में से एक थी।

सन 1939 के जंगल सत्याग्रह का प्रभाव छत्तीसगढ़ के छुईखदान रियासत पर भी पड़ा। 1948 में छुईखदान रियासत का अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष का श्रीगणेश यहां शहर के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल नर्मदा कुंड से हुआ। 14 जनवरी 1939 को कांग्रेस के कार्यकर्ता स्वयं सेवक के रूप में सत्याग्रह कराने के लिए चंपाटोला से गंडई की ओर अग्रसर हुए। रियासत की पुलिस ने कुछ सत्याग्रहियों को गिरफ्तार किया, किन्तु कुछ स्वयं सेवक बच निकले तथा चम्पाटोला पहुंचने में सफल हो गए। बाद में गिरफ्तार कर उन्हें छुईखदान लाया गया। समारूबाई सत्याग्रहियों के नेताओं में से एक थी। सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में देश के अन्य भागों की तरह छुईखदान भी सम्मिलित हुआ। इस रियासत में करो या मरो का व्यापक असर पड़ा। यहां की जनता तथा स्टेट कांग्रेस के सदस्यों ने कांग्रेस को अवैधानिक करार देने, वरिष्ठ नेताओं के बंदी बनाए जाने तथा अत्याचार के प्रतिकार में प्रदर्शन एवं सभा की, जिसके परिणामस्वरूप स्टेट कांग्रेस के कतिपय नेताओं को बंदी बनाया गया। इस दौरान नगर के अनेक सत्याग्रहियों को वर्षो जेल की यातनाएं सहनी पड़ी। इस रियासत के कांग्रेस का अधिवेशन 15 नवंबर 1946 को छुईखदान में हुआ।

भाजपा सरकार अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने का काम कर रही : राजेश कुशवाहा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। क्रान्ति दिवस के अवसर पर बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर पूरे प्रदेश की हर विधानसभाओं में हर सेक्टर स्तर पर जनपंचायत आयोजित की गयी। इस जनपंचायत में पार्टी के नेताओं ने जनता के मन की बात सुनी और उनकी पीड़ा और व्यथा को जानने का प्रयास किया। इसी कड़ी में आज कांशीराम आवास बड़ी बाग में भी जनपंचायत आयोजित हुई। इस जनपंचायत में शामिल यहां की स्थानीय निवासियों ने कांशीराम आवास की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए कहा जिला प्रशासन की उदासीनता की चलते यह कालोनी पूरी तरह से उपेक्षित है। इस कालोनी में साफ सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है। जब से कालोनी बनी है उसके बाद आज तक कभी भी न उसकी रंगाई पुताई हुई और नहीं साफ सफाई। इस कालोनी में चल रहा विद्यालय और क्लिनिक भी बंद कर दी गयी है, राशन मिलने वाला कन्ट्रोल भी यहां से बहुत दूर स्थानांतरित कर दिया गया है। जिससे यहां के लोग को राशन लेने जाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां के जर्जर तारों और खराब पड़े ट्रांसफार्मर की भी समस्या के साथ साथ और भी इस कालोनी मैं व्याप्त समस्याओं को बताने का काम किया। इस जनपंचायत में शामिल समाजवादी पार्टी के नेताओं ने इन? समस्याओं को लेकर संघर्ष करने और जिलाधिकारी से वार्ता करने की बात कही।

इस जनपंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि आज हम मोदी जी की तरह अपने मन की बात सुनाने नहीं आये हैं बल्कि हम आपकी व्यथा और पीड़ा को जानने तथा आपके मन?की बात सुनने आये हैं। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था से पूरा देश और प्रदेश जूझ रहा है। गरीब का चूल्हा जलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को आपकी बुनियादी सवालों से कुछ भी लेना-देना नहीं है। गरीब को रोजी रोटी कैसे मिले, बेरोजगारों को रोजी कैसे मिले, गरीबों को सस्ती दवा और इलाज कैसे मिले, गरीबों को सस्ता और शीघ्र न्याय कैसे मिले इस बात की इस सरकार को कोई चिंता नहीं है। यह सरकार केवल समाज में नफरत पैदा कर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने का काम कर रही है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा जी ने बेरोजगारी भत्ता, कन्या विद्याधन, लैपटाप वितरण, मुफ्त सिंचाई, पढ़ाई और दवाई, 1090 महिला हेल्प लाइन, 108 व 102 समाजवादी एम्बुलेंस जैसी तमाम अखिलेश जी की सरकार में जनता के लिए चलायी जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा आपकी बुनियादी सवालों और जरूरतों को पूरा करने का काम किया है इसके विपरित भाजपा सरकार केवल जनता का भावनात्मक शोषण कर रही है। जनता की समस्याओं से इस सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि इतनी संवेदनहीन सरकार देश और प्रदेश में कभी नहीं रही। भाजपा सरकार केवल अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने का काम कर रही है। समाज का का कोई ऐसा वर्ग नहीं है जो इस सरकार की जनविरोधी नीतियों और कार्यप्रणाली से दुखी न हो।

इस जनपंचायत में पार्टी की तरफ से मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष आमिर अली, जिला सचिव एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, महिला सभा की जिलाध्यक्ष विभा पाल, महिला सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य रीता विश्वकर्मा, कंचन रावत, रीना यादव, अवधेश कुशवाहा, माया जायसवाल, दीपक श्रीवास्तव आदि लोग शामिल थे।इस जनपंचायत का संचालन नगर अध्यक्ष दिनेश यादव ने किया।

24 स्वतंत्रता सेनानियों के गांव पहुंच कर डीएम व सीडीओ ने किया नमन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के करखियाव में रहे 24 स्वतंत्रता सेनानी के शिलापट्ट पर डीएम और सीडीओ ने पुष्प अर्पित कर नमन किया और मेरी माटी मेरा देश अभियान की शुरूआत की। जिले के किसी भी गांव में इतने स्वतंत्रता सेनानी नही है। 9 अगस्त 1942 को इस गांव के दर्जनों ने रेल पटरी को उखाड़ने के साथ फूलपुर थाने पर ब्रिटिश झंडे की जगह अपना झंडा फहराया था। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने के लिए डीएम व सीडीओ समेत अनेक अधिकारी व सम्भ्रांत ग्रामीण उपस्थित रहे। सुबह 11 बजे शुरू हुए कार्यक्रम के स्वतंत्रता सेनानियों के शिलापट्ट पर पुष्प अर्पित करने के बाद उनके परिजनों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर डीएम व सीडीओ द्वारा सम्मानित किया गया। 75 वें आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पंच प्रण लेते हुए देश की संस्कृति, समृद्धि , विकास और सम्मान के साथ रक्षा करने का शपथ लिया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि पवन सिंह, बीडीओ छोटेलाल तिवारी, एडीओ पंचायत अशोक चौबे, ग्राम प्रधान शशिकपूर, सचिव रामानंद यादव, पूर्व ग्राम प्रधान विक्रमादित्य सिंह, आनंद मिश्रा, आलोक सिंह, धनंजय सिंह, नागेंद्र सिंह समेत दर्जनों गणमान्य लोग रहे। वही कथौली में शहीद जवान भवन दिवाकर गिरी के नाम से बने स्मृति द्वार पर लोग एकत्र हुए और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद कर नमन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने शपथ ली कि गुलामी की मानसिकता के लिए हर सम्भव प्रयास करूंगा। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन ग्राम प्रधान पप्पू गिरी ने किया।

भूसे के कमरे में रहने को हैं मजबूर महिला की व्यथा, आखिर कब मिलेगा न्याय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। करंडा थाना क्षेत्र के मैनपुर गांव में 25 दिनों से विवाहिता महिला सोनी यादव को ससुराल वालो ने बहू को रेहायसी मकान में न रखकर मढ़ई रखे भूसा वाले कमरे में रखा है। स्थानीय लोगो से सूचना पाकर मीडियाकर्मी मौके पर पहुंचे और पीड़ित महिला से बात की तो महिला ने अपनी आपबीती सुनाई। यह बताया कि मेरे ससुराल के लोग मुझे मारते पीटते रहते हैं और घर में रहने नही देते हैं, घर के सामने भूसे की मडई में रखते है लोग। और कहा कि मैने इसकी सूचना करंडा थाना, एसपी ऑफिस, महिला प्रकोष्ठ में भी किया। लेकिन अभी तक मुझे कोई न्याय नहीं मिला ऐसे में मैं अपना जीवन इसी भूसे की झोपड़ी में 25 दिन से गुजर बसर कर रही हूं। और इसकी वजह मेरे पति का अपनी भाभी से नाजायज संबंध होने के चलते यह सब हो रहा है। बीच में मेरे मायके के लोग और ससुराल पक्ष में महापंचायत भी हुई ससुराल पक्ष के लोगों ने कहा कि एक-दो दिन में कमरा दे दिया जाएगा लेकिन 20 से 25 दिन बीत गए अभी तक कोई कमरा नहीं मिला है। इस संबंध में लड़के के पिता चांदबली यादव ने कहा कि हमने उसको रहने के लिए मकान दिया है लेकिन पक्का नहीं है तो क्या करें।

महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कालेज में वेलफेयर मिशन ग्रीन वसुन्धरा अंतर्गत हुआ पौधरोपण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब के तत्वाधान में वेलफेयर मिशन ग्रीन वसुन्धरा अंतर्गत स्व 0शेषनाथ पांडेय की पुण्य स्मृति में महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राज्य मेडिकल कालेज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर डा0 आनन्द मिश्रा प्राचार्य मेडीकल कालेज तथा विशिष्ठ अतिथि डा0 सुजित मिश्रा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत गाजीपुर ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री नम्रता सिंह क्षेत्रीय वन अधिकारी ने किया। तत्पश्चात अध्यक्ष डा0शरद कुमार वर्मा ने अतिथियों, क्लब पदाधिकारी तथा उपस्थित गणमान्य लोगों के साथ ही मेडिकल कालेज के डा0 अनुप्रिया, डा0 अनु श्री, डा0 आफरीन, डा0 आदर्श, डा0 साजिया, डा0चंद्रमौली, डा0 अंजली ने पौधरोपण किया साथ ही पर्यावरण को हरा भरा करने का सामूहिक संकल्प किया। साथ ही उपस्थित जनसमुदाय ने हाथ उठाकर मेरी माटी मेरा देश अन्तर्गत पञ्च प्रण भी किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डा0 मिश्रा ने बताया कि वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण समूचे विश्व की समस्या बन चुकी है ऐसे में अधिक से अधिक पौधरोपण ही एकमात्र समाधान है। ग्लोबल वार्मिंग, महामारी या वायरस से होने वाली बिमारिया या बारिश का समय से न होना निश्चित रूप से पर्यावरण के असंतुलन का दुष्परिणाम है । वेलफेयर क्लब पौध लगाने के साथ उसे बचाने का भी कार्य कर रहा है जो प्रशंसनीय है। जबकि विशिष्ट अतिथि डा0 सुजित मिश्रा ने वर्ष 2003 से निरंतर चलाए जा रहे अभियान पर्यावरण मिशन ग्रीन वसुन्धरा के लिए शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा यह जनपद गाजीपुर के लिए बड़ी मिशाल है। अतिथियों का स्वागत क्लब पीआरओ सूर्य रेख मणि तथा क्लब उपाध्यक्ष धीरेंद्र त्रिपाठी ने किया। अतिथियो को क्लब अध्यक्ष डा 0वर्मा तथा जनपद गवर्नर पवन पांडेय ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । इस अवसर अभिषेक प्रजापति, प्रमोद कुमार बिंद, डिप्टी रेन्जर आशीर्वाद कुमार सिंह, वन दरोगा सुरेन्द्र सिंह यादव ,गोपी नाथ कुशवाहा सहित ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे।

मणिपुर बहाना, विपक्ष के भ्रष्टाचार से अपने परिवार को बचाना है : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गत कई दिनों से देश के संसद में मानसून के महत्वपूर्ण सत्र में मणिपुर की चर्चा को लेकर विपक्ष द्वारा जो प्रोपोगेंडा और हंगामा किया जा रहा है, इससे देशवासियों का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। उक्त अवसर पर जखनिया निवासी भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा सांसद देश के विकास के गति तय करती है, मानसून सत्र देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। पर कांग्रेस सहित विपक्ष का पूरा गठबंधन अपने भ्रष्टाचार को छुपाने, अपने परिवार को बचाने और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण, मणिपुर की आड़ में पूरे देश को अराजकता में झोकना चाहते हैं, यह अत्यंत निंदनीय है। वर्मा ने कहा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। 9अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में 'भारत छोड़ो आंदोलन' आरंभ हुआ था। वही स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 9 अगस्त 1942 में मलाया (अब मलेशिया) में जापान की मदद से इंडियन नेशनल आर्मी की स्थापना की थी। इसके प्रतीक स्वरूप 'अगस्त क्रांति दिवस' पर भारतीय स्वतंत्रता के लिए लोग जागरूक हुए और स्वतन्त्रता के लिये अपने प्राणों की आहुति दी उन सभी स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीदों को आज शत शत नमन करता हूँ। वर्मा ने कहा मणिपुर का मुद्दा नया नही है। वहाँ स्वतंत्रता से पहले ही आंदोलन और संघर्ष होते रहें। यही कांग्रेस है कि मणिपुर वर्षों जलता रहा जातीय संघर्ष होता रहा और कांग्रेस मौन साधी रही। वहा जातीय संघर्ष और ड्रग कारोबार के कारण आतंकवाद पनपता रहा मणिपुर में हिंसा होती रही कांग्रेस चुप थी। पूर्वोत्तर राज्यों का विकास कभी कांग्रेस के एजेंडे में ही नही था। भाजपा जबसे सत्ता में आयी है पूर्वोत्तर का विकास शुरू हुआ, पर कांग्रेस को ये भी रास नही आ रहा। आज जो कुछ भी देश मे आराजक हो रहा है वो कांग्रेस के तुष्टिकरण का परिणाम है। आज प्रधानमंत्री ने क्यूट इंडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि भारत से परिवारवाद, भ्ष्टार्चार और तुष्टिकरण को अब मिटाना होगा ऐसे लोगों को भारत छोड़ना होगा। इसके वजह से भारत को बहुत नुकसान हुआ है। वर्मा ने कहा देश की सत्ता में कुछ परिवार शासन करके अपना पेट भरता गया और गरीब मरता रहा। वो अमीर होते गए और गरीब और गरीब होते गये। बर्मा ने कहा मणिपुर की घटना पर संसद सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया था और अपराधियों के ऊपर त्वरित कार्रवाई की बात की थी। पर क्या कांग्रेस शासित राज्यों में बच्चियों का दिनदहाड़े सामूहिक बलात्कार हो रहा है, बलात्कार के बाद उनको काटकर भट्ठियों में जला दिया जा रहा है, उस पर राहुल गांधी सहित उनके गठबंधन के किसी सदस्य ने एक भी शब्द कहा? जनता यह सब देख रही है।

सपा द्वारा पंचायत से लेकर नगरी क्षेत्र तक जगह-जगह जन पंचायत कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 9 अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर पूरे जिले में गांव पंचायत से लेकर नगरी क्षेत्र तक जगह जगह जन पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया वहीं सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने विभिन्न जन पंचायत कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर जनता से संवाद करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार में जितने लाभकारी योजना चलाई गई भाजपा ने सबको बन्द और शिथिल करने का काम किया समाजवादी सरकार मे जहां महिलाओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई उनको समाजवादी पेंशन दिया सरकार मे बेरोजगारी भत्ता, कन्या विद्याधन प्रदेश के विभिन्न जिलों में जौनपुर सहित मेडिकल कॉलेज दवाई सिंचाई मुफ्त ऐसे तमाम योजनाएं चलाई थी जिससे आम जनता खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा था भाजपा सरकार ने तो देश के खुशहाली को नफरत मे बदलने का काम किया आज भाजपा सरकार अग्रेजों के तरह देश को बाटने का काम कर रहा फूट करों राज करों जात से जात बाटों धर्म को धर्म से बाटों सबको आपस मे लड़ाते रहों और भाजपा की सरकार बनाते रहों इसी तर्ज पर भाजपा सरकार चल रहा है उसे विकास से कोई लेना देना नहीं है।

कहा आज भाजपा सरकार में देश की हालत बहुत खराब हो गया उसे बचाना हम लोगों की जिम्मेदारी है इसलिए भाजपा सरकार को हटाना हैं अब जागों जन जन को जगावों और भाजपा को इस देश से हटावों । जन पंचायत मे मुख्य रूप से निवर्तमान जिलामहासचिव अंखड यादव,राहुल त्रिपाठी, इर्शाद मंसूरी, साजिद अलीम, अन्नपूर्णा देवांशी,कमालुद्दीन अंसारी, अनील दूबे, अजमत अली,सरफराज अंसारी, जफर अहमद सिद्दीकी आशीष जयसवाल,शबीद हैदर, फिरोज अहमद,घनश्याम यादव, अजय प्रजापति, इकबाल अहमद, अखिलेश यादव, अमजद, हफीज शाह, आदि लोग उपस्थित रहे।

लोहिया वाहिनी के पूर्व अध्यक्ष राकेश यादव की सांड के हमले के बाद, उपचार के दौरान मृत्यु

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सांड़ के हमले में हुए घायल समाजवादी लोहिया वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश यादव का आज ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान निधन हो गया। ज्ञात हो कि यह घटना परसों कि रात हंसराजपुर के करीब नसीरपुर नवापुरा चौराहा के पास साधन सहकारी समिति के सामने हुआ था। परसों रात से ही वह जिंदगी और मौत के बीच चल रही जंग से जूझ रहे थे लेकिन आज जिंदगी की जंग लड़ते लड़ते मौत के सामने हार मानना पड़ा। उनके निधन पर दुख प्रकट करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उन्हें पार्टी का बहुत ही मजबूत, कर्मठ और समर्पित सिपाही बताया। उन्होंने कहा कि उनके निधन से समाजवादी पार्टी ने अपना एक होनहार सपूत खो दिया है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में मुश्किल है। उनके निधन से पूरी पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई है। सारे लोग दुखी और मर्माहत है। उनके निधन पर दुख व्यक्त करने वाले में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा, अरुण कुमार श्रीवास्तव, आमिर अली, दिनेश यादव, विभा पाल, रीना यादव, रीता विश्वकर्मा, पूजा गौतम, कंचन रावत,रामाशीष यादव, रामनगीना यादव आदि थे।

संक्षिप्त खबरें

एमएलसी विशाल सिंह चंचल के प्रस्ताव से होगा मौनी बाबा व बुधिया माई का सुंदरीकरण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोकप्रिय एमएलसी बड़े भईया माननीय विशाल सिंह चंचल के प्रस्ताव पर पर्यटन निदेशालय लखनऊ ने मौनी बाबा मठ का सुन्दरीकरण एवं जीणोद्धार कार्य की स्वीकृति प्रदान की है, ग्राम सभा- कनुआन, ब्लॉक - जखनिया स्थित मौनी बाबा मठ के सुंदरीकरण के लिए एमएलसी साहब ने पर्यटन मंत्रालय में प्रस्ताव पत्र प्रेषित किया था जिसकी शासन ने स्वीकृति दे दी है। कार्यदायी संस्था द्वारा स्टीमेट की मॉग की गई है ,अमित नागवंशी ने बताया कि शासन ने प्रत्येक जिले में कम से कम धर्म स्थलों के सुंदरीकरण का कार्य कर रही हैं जिससे पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। इसी सम्बंध में माननीय एमएलसी साहब के प्रस्ताव को स्वीकृति किया गया है। जखनिया के स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जनता ने माननीय एमएलसी साहब को धन्यवाद ज्ञापित किया है। ज्ञात हो कि जखनिया में बुढ़िया माई धार्मिक स्थल के तीनों प्रवेश द्वारों का निर्माण भी माननीय एमएलसी साहब द्वारा प्रस्तावित है। इन प्रवेश द्वारों के बन जाने से इस स्थल की भव्यता और निखार आएगी।

सिंचाई विभाग में पंच प्रण की शपथ दिलाई गई

प्रखर वाराणसी। सिगरा, वरुणापुरम सिंचाई कालोनी स्थित लिफ्ट सिंचाई मंडल वाराणसी में आज 09 अगस्त को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत पंच प्रण की शपथ अनिल कुमार सिंह अधीक्षण अभियंता लिफ्ट सिंचाई मंडल वाराणसी द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर विनोद कुमार श्रीवास्तव, जयशंकर सिंह, राम अवतार राम,रत्नेश प्रसाद, कनीज फातिमा, साधना श्रीवास्तव, आरिफ अंसारी, दीनानाथ, निरंजन, संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग की चेकिंग में 2 के खिलाफ हुआ मुकदमा, 5 पर लगा जुर्माना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को अधिशासी अभियंता हेमंत सिंह के निर्देश पर उपखंड अधिकारी कमलेश कुमार एवं विजिलेंस टीम के साथ गहमर गांव में विद्युत विभाग द्वारा बिजली चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें अवैध रूप से बिजली प्रयोग कर रहे 3 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा तथा 5 उपभोक्ताओं का स्वीकृत भार से ज्यादा विद्युत का उपभोग करने पर जुमार्ना के साथ भार में वृद्धि किया गया। जबकि 4 उपभोक्ताओं के परिसर पर मीटर लगाया गया 3 उपभोक्ताओं का मीटर घर में से निकालकर बाहर लगाया गया। साथ ही 4 बड़े बकायेदारों को नोटिस दिया गया ' इस चेकिंग अभियान में अवर अभियंता वितरण रामप्रवेश चौहान, अवर अभियंता विजिलेंस अजय कुमार, लाइन मैन संतोष यादव, दिनेश सिंह, रामबिलाश, रमेश, पवन, इत्यादि कर्मचारी एवं स्थानीय पुलिस मौजूद रही। उपखंड अधिकारी द्वारा बताया गया कि जो भी लोग अवैध कनेक्शन के बिजली का प्रयोग कर रहे हैं तत्काल झटपट पोर्टल के माध्यम से कनेक्शन ले ले तथा विद्युत का उपभोग मीटर से ही करें, समय से अपना मीटर से बिजली के बिल का भुगतान करें अन्यथा यह कार्रवाई आगे भी चलती रहेगी '

बूथ को मजबूत और भाजपा को उखाड़ने का लिया संकल्प

प्रखर पिंडरा वाराणसी। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के साथ सरकार का उखाड़ फेंकने का संकल्प पिंडरा विस क्षेत्र के कार्यकताओं ने लिया। पिंडरा विस क्षेत्र के तरसड़ा व कठिराव बूथ जुटे कार्यकर्ताओ ने कहाकि 9 अगस्त की तिथि क्रांतिकारी तिथि है। जिस तरह देश से अग्रेंजो को भगाने का संकल्प लेकर देश के बूढ़ों से नौजवान से तक निकले थे आज फिर देश विरोधी व जन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें सत्ता से बाहर फेंकने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव व्यापार प्रकोष्ठ के नंदलाल जायसवाल, महिला सभा की प्रदेश सचिव शीला विश्वकर्मा, जयप्रकाश यादव, कमलेश पाल, दूधनाथ पटेल, वीरेंद्र यादव, विजय यादव, बृजराज चौहान, ज्ञानचंद सेठ, सुरेशचंद प्रजापति, पवन गुप्ता, झुन्नू लाल गुप्ता समेत बूथ प्रभारी उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी,
गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वाचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं